दैनिक

पुष्पांजली टुडे

MPHIN/2021/83938

नई सोच नई पहल

ग्वालियरः वर्षः4 : अंकः 22 | ग्वालियर, शुक्रवार 4 अक्टूबर 2024 | पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए

न्यूज ट्रैक

उज्जैन में GST के नाम पर रिश्वतखोरी! ऑफिस में रेड कर लोकायुक्त ने दो महिला अधिकारियों को पकड़ा

नवरात्रि के पहले दिन उज्जैन में लोकायुक्त ने बड़ी कार्रवाई की है. वाणिज्य कर विभाग में पदस्थ दो महिला अधिकारियों को लोकायुक्त की टीम ने रंगे हाथ धर दबोचा. वाणिज्य कर विभाग के कार्यालय में लोकायुक्त की छापेमारी से हड़कंप मच गया.महिला अधिकारियों ने जीएसटी नंबर जारी करने के नाम पर ठेकेदार से रिश्वत की मांग की थी. लोकायुक्त डीएसपी सुनील कुमार तलान ने बताया कि महावीर बाग कॉलोनी में रहने वाले दीप सिंह ठेकेदारी का काम करते हैं.दीप सिंह की फर्म का नाम श्री राधा कॉन्ट्रैक्टर है. उन्होंने वाणिज्य कर विभाग में जीएसटी नंबर के लिए आवेदन दिया था. वाणिज्य कर विभाग की दो महिला अधिकारियों ने ठेकेदार से छह हजार रुपये की डिमांड की. बातचीत के बाद दोनों 3500 लेकर जीएसटी नंबर देने को राजी हो गयीं. ठेकेदार ने रिश्त मांगे जाने की शिकायत लोकायुक्त पुलिस से कर दी. शिकायत का लोकायुक्त ने सत्यापन कराया. सत्यापन में जीएसटी नंबर देने के एवज रिश्वत मांगे जाने की पुष्टि हुई. लोकायुक्त की टीम ने रिश्वतखोर महिला अधिकारियों को रंगे हाथ पकड़ने के लिए जाल बिछाया.पीड़ति को रिश्वत की रकम देने के लिए तैयार किया गया. घात लगाये बैठी लोकायुक्त की टीम ने दोनों महिला अधिकारियों को 3500 रुपये लेते रंगे हाथ धर दबोचा. वाणिज्य कर विभाग के कार्यालय में अचानक हुई छापेमारी से हड़कंप मच गया.लोकायुक्त एसपी अनिल विश्वकर्मा ने बताया कि दोनों को गिरफ्तार करने के बाद जमानत पर रिहा भी कर दिया गया है. लोकायुक्त डीएसपी राजेश पाठक ने बताया कि विजय भिलाला जीएसटी विभाग में इंस्पेक्टर के पद पर तैनात है और दूसरी महिला किरण जोशी सहायक ग्रेड 3 के पद पर पदस्थ है. दोनों को रिश्वत लेने के बाद रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया. बताया जाता है कि ठेकेदार को एक कंपनी से ठेका मिला था. कंपनी की तरफ से जीएसटी बिल की मांग की जा रही थी. ठेकेदार दीप सिंह ने जीएसटी बिल के लिए कार्यालय में आवेदन किया था.

पहली बार भोपाल एयरपोर्ट से विमान ने रात 12 बजे भरी उड़ान, यात्रियों को मिलेंगी ये सुविधाएं

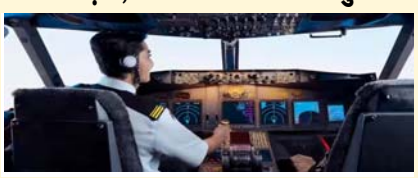

राजधानी भोपाल स्थित राजा भोज एयरपोर्ट से पहली बार किसी विमान ने रात 12 बजे उड़ान भरी है. दरअसल, रात 11 बजे भोपाल से दिल्ली जाने वाली इंडिगो की फ्लाइट लेट हो गई थी. लिहाज इंडिगो की फ्लाइट को रात 12 बजे राजा भोज एयरपोर्ट से उड़ान भरने की इजाजत दी गयी. बता दें कि भोपाल में 24 घंटे उड़ान की सुविधा शुरू होने का जश्न प्रबंधन ने केक काटकर मनाया.एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार पहली बार एयरपोर्ट से रात 12 बजे किसी पैसेंजर विमान ने टेक ऑफ किया. नॉन शेड्यूल विमान की लैंडिंग एवं टेकऑफ के लिए भोपाल एयरपोर्ट अब 24 घंटे खुला रहेगा. प्रबंधन के अनुसार विमानन कंपनियां भी शेड्यूल उड़ान भोपाल एयरपोर्ट से लेट लाइट भर सकती हैं. इससे पहले सुबह 7 बजे से रात 11 बजे तक भोपाल एयरपोर्ट ऑपरेट किया जाता था. अब रात 11 बजे के बाद से सुबह 9 बजे तक किसी भी वक्त शेड्यूल फ्लाइट उड़ान भर सकती है. त्योहारी मौसम में यात्रियों की सुविधा को देखते हुए बड़ा फैसला लिया जा सकता है. इंडिगो एवं एयर इंडिया की ओर से विमानों की संख्या बढ़ाने के संकेत मिले हैं. इंडिगो ने हाल ही में भोपाल से पुणे के लिए सीधी उड़ान सेवा की शुरुआत की है. यात्रियों को भोपाल से कोलकाता के लिए भी फ्लाइट की सुविधा जल्द मिल सकती है. माना जा रहा है कि नवंबर से भोपाल कोलकाता की फ्लाइट शुरू हो सकती है.एयरपोर्ट प्रबंधन का मानना है कि 24 घंटे हवाई सेवाओं का संचालन होने से यात्रियों को बड़ी सुविधा होगा. भोपाल के यात्री 24 घंटों फ्लाइट से यात्रा कर सकते हैं. अभी रात 11 बजे तक राजा भोज एयरपोर्ट से विमान उड़ते थे. विमानन कंपनियों को देर रात भी उड़ान सेवा शुरू करने की अनुमति मिल गया है.

इंदौर में भिक्षावृत्ति करना प्रतिबंधित, प्रशासन ने 22 लोगों को राजस्थान भेजा

देश में स्वच्छता के मामले में नंबर वन पायदान पर खड़े इंदौर में अब भिक्षावृत्ति करने वालों के खिलाफ भी अभियान शुरू कर दिया गया है. इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि इंदौर को भिक्षावृत्ति मुक्त बनाने के लिए लगातार मुहिम चलाई जा रही है. इस मुहिम के तहत भिक्षावृत्ति में संलग्न लोगों को रेस्क्यू कर पुनर्वासित करने की कार्रवाई की जा रही है. इस कार्रवाई में काफी सफलताएं मिल रही है. इंदौर को आने वाले समय में भिक्षावृत्ति मुक्त बना दिया जाएगा. उन्होंने कहा, इसके लिए महिला बाल विकास विभाग द्वारा सात दलों के माध्यम से लगातार शहर में कार्रवाई की जा रही है. जहां भी भिक्षावृत्ति करने की शिकायत मिल रही है, वहां इसमें संलग्न लोगों को घर जाकर परिवार वालों के साथ समझाइश दी जा रही है. इतना ही नहीं समझाइश के बावजूद भिक्षावृत्ति करने वाले भिक्षुओं को रेस्क्यू कर पुनर्वास केंद्रों में रखा जा रहा है.इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने बताया कि चाइल्ड हेल्पलाइन पर शिकायत मिली थी कि इंदौर की एक होटल में 22 लोग रुके हुए हैं, जिनमें 11 महिलाएं और 11 नाबालिक बच्चे हैं. जो कि राजस्थान से भिक्षावृत्ति करने के लिए आए हुए हैं. इस सूचना के आधार पर प्रशासन ने तत्काल कार्रवाई करते हुए उन्हें बस स्टैंड से रेस्क्यू किया और वापस राजस्थान भेज दिया.कलेक्टर ने बताया कि होटल, लॉज, धर्मशाला, गेस्ट हाउस आदि संचालित करने वाले संचालकों को स्पष्ट रूप से निर्देश दे दिए गए हैं

अब रोये लाड़ली बहना...,पीएम के सीएम के खिलाफ 'भ्रामक' पैरोडी गीत, युवा कांग्रेस अध्यक्ष पर केस दर्ज

मध्यप्रदेश की मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना की पृष्ठभूमि में मुख्यमंत्री मोहन यादव के खिलाफ भ्रामक पैरोडी गीत का वीडियो सोशल मीडिया पर डालने के आरोप में युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंद्र दर्शन सिंह पर इंदौर में प्राथमिकी दर्ज की गई है. पुलिस ने गुरुवार को यह जानकारी दी.अतिरिक्त पुलिस उपायुक्त राजेश दंडोतिया ने बताया कि पुलिस की अपराध निरोधक शाखा ने सिंह के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 353 (दो) (सोशल मीडिया पर गलत जानकारी फैलाना) और और 356 (दो) (मानहानि) के तहत बुधवार देर रात मामला दर्ज किया.

उन्होंने बताया कि मामले की विस्तृत जांच की जा रही है और इसके बाद आगामी कानूनी कदम उठाए जाएंगे. दंडोतिया ने बताया कि युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष के खिलाफ यह प्राथमिकी भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के विधि प्रकोष्ठ की शहर इकाई के

संयोजक निमेष पाठक की शिकायत पर दर्ज की गई.शिकायत में कहा गया है, ''युवा कांग्रेस के अध्यक्ष सिंह ने राज्य की सर्वाधिक लोकप्रिय लाड़ली बहना योजना का मजाक उड़ाते हुए मुख्यमंत्री मोहन यादव के विरुद्ध भ्रामक वीडियो सोशल मीडिया मंच 'एक्स' के अपने खाते पर पोस्ट किया है.''पाठक ने आरोप लगाया कि अब रोए लाड़ली बहना के शीर्षक वाले पैरोडी गीत का यह वीडियो मध्यप्रदेश को राष्ट्रीय स्तर पर बदनाम करने की साजिश के तहत प्रसारित किया गया है और इसमें मुख्यमंत्री यादव के खिलाफ आपत्तिजनक शब्दों का इस्तेमाल भी किया गया है. बीजेपी नेता ने कहा कि इस गीत में झूठा दावा किया गया है कि राज्य में महिलाएं असुरक्षित हैं.यह गीत राज्य में शिवराज सिंह चौहान की अगुवाई वाली बीजेपी सरकार के शासनकाल के दौरान मार्च 2023 में पेश मुख्यमंत्री लाड़ली बहना योजना'' के थीम गीत अब जियो लाड़ली बहना की पैरोडी के रूप में तैयार किया गया है.उधर, प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता विवेक त्रिपाठी ने सिंह के खिलाफ दर्ज मामले को लेकर सत्तारूढ़ बीजेपी पर निशाना साधा. उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस नेताओं पर झूठे मामले दर्ज कराते हुए विपक्ष की आवाज दबाने का प्रयास किया जा रहा है.त्रिपाठी ने कहातत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने राज्य में नवंबर 2023 के दौरान हुए पिछले विधानसभा चुनावों से पहले कई बार घोषणा की थी कि लाड़ली बहना योजना के तहत महिलाओं को दी जाने वाली मासिक सहायता राशि ब?ाकर 3,000 रुपये की जाएगी, लेकिन सत्तारूछछट बीजेपी ने यह वादा अब तक नहीं निभाया है.

सीएम योगी के आदेश पर भड़के डॉक्टर, जाम लगाकर किया प्रदर्शन तो यूपी पुलिस ने सिखाया सबक

उत्तर प्रदेश के हापुड़ में गुरुवार (3 अक्टूबर) को बड़ी संख्या में एकत्रित होकर प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन के तमाम पदाधिकारी तहसील चौराहे पर आ गए. यहां उन्होंने जाम लगाकर जमकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया. एसोसिएशन के कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों यह प्रदर्शन सरकार के उस आदेश के खिलाफ था, जिसमें कहा गया है कि बिना लाइसेंस के चल रहे हॉस्पिटल, पैथालॉजी लैब और अल्ट्रासाउंड सेंटर संचालकों के खिलाफ की कार्रवाई की जाए. डॉक्टरों ने कहा कि सरकार को अपना यह फैसला तत्काल वापस लेना चाहिए. डॉक्टरों के प्रदर्शन करने और चौराहे पर जाम लगे होने की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंच गई. पुलिस ने चिकित्सकों को जब हंगामा करते हुए देखा तो उन्हें समझाने का प्रयास किया. जब डॉक्टर नहीं मानें तो पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तत्काल प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष को अपनी गिरफ्त में ले लिया और खींचते हुए कोतवाली में ले जाकर बंद कर दिया.

हापुड़ में तहसील चौराहे पर इकठ्ठे हुए लोग–बता दें कि जनता की सेहत से खिलवाड़ करने वाले बिना पंजीकृत अस्पतालों, लैब और अल्ट्रासाउंड सेंटरों के खिलाफ कार्रवाई करने के अधिकारियों को आदेश दिए गए हैं. इसमें कहा गया है कि बिना किसी डिग्री-डिप्लोमा किए चिकित्सक द्वारा कोई उपचार नहीं किया जाएगा. इसी के विरोध में प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन के अध्यक्ष एसके शर्मा के नेतृत्व में तमाम पदाधिकारी और चिकित्सक हापुड़ में तहसील चौराहे पर इकठ्ठे होकर पहुंच गये.उन्होंने चौराहे पर जाम लगाकर जमकर प्रदर्शन करना शुरू कर दिया. प्रदर्शन की वजह से वाहनों की लम्बी-लम्बी कतारें लग गईं. आने-जाने वाले राहगीरों को परेशानी होने लगी. इसकी सूचना जब पुलिस-प्रशासन को हुई तो मौके पर कोतवाली पुलिस पहुंच गई. पुलिस ने आक्रोशित चिकित्सकों को समझा-बुझाकर शांत करने का प्रयास किया, लेकिन जैसे ही प्राइवेट चिकित्सक मेडिकल एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने अराजकता फैलाने की कोशिश की तो पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष डॉ. एसके शर्मा को खींचते हुए कोतवाली ले गई, जहां उन्हें बैठा लिया गया. इसी के बाद देखते ही देखते एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी तितर-बितर हो गए.एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने कहा कि वह पिछले 20 सालों से मेडिकल लाइन में काम कर रहे हैं. ऐसे में यदि उनके ठिकानों को सरकार द्वारा बंद कर दिया जाएगा तो उनके सामने भूखे मरने की नौबत आ जाएगी.

56 साल पहले लापता हुए जवान का मिला पार्थिव शरीर, सैन्य सम्मान के साथ गांव में दी अंतिम विदाई

56 साल पहले भारतीय वायु सेना के ?ह12 विमान दुर्घटना में लापता सैनिक नारायण सिंह का पार्थिव शरीर आखिरकार 56 साल बाद थराली विकासखण्ड स्थित उनके पैतृक गांव कोलपुड़ी पहुंचा. जहां उनके पैतृक घाट पर शहीद को पूरे सैन्य सम्मान के साथ नम आंखों से अंतिम विदाई दी गयी गई.आज से 56 वर्ष पूर्व 7 फरवरी 1968 को भारतीय वायु सेना का ?ह12 विमान चंडीग? से उ?ा और छह क्रू सदस्यों के साथ लेह पहुंचा ताकि भारतीय सेना के जवानों को लेह से चंडीग? वापस लाया जा सके. विमान ने लेह से उ?ान भरी लेकिन चंडीग? की ओर ब?ते समय खराब

मौसम की वजह से विमान रोहतांग दर्रा में ढाका गलेशियर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया. इस विमान में चालक दल समेत कुल 102 लोग सवार थे. इस विमान दुर्घटना में सवार सैनिकों की खोज के लिए भारतीय सेना, अटल बिहारी पर्वतारोहण संस्थान समेत तिरंगा माउंटेन रेस्क्यू और डोगरा स्काउट ने कई बार खोज अभियान चलाया.इस खोज अभियान के तहत ही विमान में सवार सैनिक नारायण सिंह का शव बरामद हुआ. जानकारी के अनुसार उनकी नेम प्लेट से उनके नाम और उनके पास से बरामद दस्तावेजो के आधार पर उनके नाम और उनकी पत्नी बसन्ती देवी के नाम की पुष्टि हुई शहीद नारायण सिंह बिष्ट आर्मी मेडिकल कोर में तैनात थे.वहीं शहीद नारायण सिंह का पार्थिव शरीर 56 वर्षो बाद उनके पैतृक गांव पहुंचने पर पूरा गांव भारत माँ की जय के जयकारों से गुंजायमान हो गया. शहीद के परिजन बताते हैं शहीद नारायण सिंह की शहादत गांव के लिए गौरव की बात है और सेना ने 56 वर्ष बाद भी शहीद की खोजबीन कर उनके पार्थिव शरीर को उचित सैन्य सम्मान के साथ अंतिम विदाई दी.इसके साथ ही परिजनों का कहना है कि शहीद नारायण सिंह के विमान दुर्घटना में लापता होने के बाद उनकी धर्मपत्नी बसन्ती देवी और शहीद नारायण सिंह के पिता महेंद्र सिंह का जीवन अभावग्रस्त बीता था और वर्ष 2011 में उनका भी निधन हो गया. शहीद की पत्नी बसन्ती देवी के दो पुत्र हैं जिनमें से सुजान सिंह ने शहीद नारायण सिंह के पार्थिव शरीर को मुखाग्नि दी.

चुनावी मंच से नशा कारोबारियों पर बरसे सीएम योगी, कहा- आज के चंड-मुंड और महिषासुर हैं

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हरियाणा विधानसभा चुनाव के लिए ताबड़तोड़ रैलियां कर रहे हैं और विपक्ष पर भी हमलावर हैं. वहीं कुरुक्षेत्र जिले की शाहाबाद विधानसभा में सीएम योगी ने चुनावी मंच से कहा कि यह नशे के जो कारोबारी हैं वो देश को निगल जाना चाहते हैं, युवाओं की जवानी को छीन रहे हैं, यह आज के चण्ड और मुण्ड हैं, यह महिषासुर हैं.वहीं सीएम योगी ने कहा कि माफिया प्रवृत्ति को कभी मत पनपने दीजिए. यह आने वाली पीढ़ी के भविष्य को खराब करेगा, चाहे वह माइनिंग माफिया या पेट्रोल माफिया हो किसी भी माफिया को कतई बर्दाश्त मत करिए. हरियाणा तो खेल खिलाड़ियों की धरती है. ओलंपिक हो, एशियाड हो या कॉमनवेल्थ गेम्स सर्वाधिक मेडल देश के लिए हरियाणा का जवान लेकर आता है. इस रिकॉर्ड को बनाए रखिए.इसके साथ ही हरियाणा के सफीदों विधान सभा क्षेत्र में आयोजित जनसभा में सीएम योगी ने कहा याद करिए 2017 से पहले कांवड़ यात्रा नहीं निकलने दी जाती थी. जब मैं आया और पूछा कि ये कांवड़ यात्रा क्यों नहीं निकलती है तो लोगों ने कहा कि कुछ लोगों को परेशानी होती है. फिर मैंने कहा जिनको परेशानी होती है घरों में रहें. लेकिन कांवड़ यात्रा के मार्ग में कोई बाधा पैदा करेगा तो हम कार्रवाई करेंगे.

सीएम योगी ने कहा कि कुछ लोग कहते थे कि लोगों को घंटे और शंख से परेशानी होती है. इस पर मैंने कहा जिनको घंटे और शंख से परेशानी होती है, वो अपने कान बंद कर लें. कांवड़ यात्रा में डीजे भी बजेगा, घंटा-घड़ियाल भी बजेगा. इसके साथ ही सीएम योगी ने हरियाणा के कलायत विधान सभा में कहा कि कांग्रेस, भगवान श्री राम और भगवान श्रीकृष्ण के कीर्तन को नाच-गाना कहती है. जिन्ह कें रही भावना जैसी, प्रभु मूरति तिन्ह देखी तैसी. विकसित हरियाणा-विकसित भारत की संकल्पना को पूरा करने के लिए. सीएम योगी ने कहा माफिया का उपचार केवल भाजपा है.

नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, जानें भोपाल के काली मंदिर का इतिहास और महत्व

आज 3 अक्टूबर से शारदीय नवरात्रि की शुरुआत हो गयी है. नवरात्रि के पहले दिन से मंदिरों में भक्तों की भीड़ उमड़ने लगी है. मंदिरों में जय माता दी के जयकारे गूंजने लगे हैं. भोपाल के तलैया स्थित काली मंदिर में भी सुबह से माहौल भक्तिमय है. श्रद्धालु कतार में लगकर मां काली की पूजा कर रहे हैं. बता दें कि छोटे तालाब किनारे स्थित मंदिर में माता की छोटी मढ़िया थी. अब मढ़िया ने भव्य मंदिर का रूप ले लिया है.मंदिर में रोजाना सैकड़ों श्रद्धालु माता के दर्शनों करने पहुंचते हैं. नवरात्रि के दौरान श्रद्धालुओं की संख्या में इजाफा हो जाता है. नौ दिनों तक सुबह से लेकर रात तक माता के भक्त पूजा पाठ करते नजर आते हैं. भोपाल के अलावा विदिशा,

सीहोर, रायसेन से भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता का दर्शन करने पहुंचते हैं. काली मंदिर का इतिहास 57 साल पुराना बताया जाता है. साल 1967 में स्वर्गीय शिवनारायण सिंह बगवार ने मंदिर की स्थापना की थी. उस समय मंदिर छोटी सी मढिया था. धीरे- धीरे श्रद्धालुओं की आस्था मंदिर के प्रति बढ़ती गयी. आस्था की वजह से मंदिर का विस्तार होता चला गया. अब मंदिर भव्य स्वरूप ले चुका है. 108 फीट ऊंचा शिखर मंदिर में स्थापित किया गया है.नवरात्रि के पहले दिन श्रद्धालुओं की उमड़ी भीड़, जानें भोपाल के काली **मंदिर का इतिहास और महत्व**–मंदिर आने वाले श्रद्धालु माता रानी को हलवा पूरी का भोग लगाते हैं. शारदीय नवरात्रि में सुबह 4 बजे मंदिर के कपाट खोल दिये जाते हैं. मंदिर का द्वार खुलने के बाद सबसे श्रंगार होता है. 6 बजे से भक्तों के लिए मंदिर का गर्भगृह खोल दिया जाता है. गर्भगृह के पीछे धागा बांधकर श्रद्धालु मन्नत मांगते हैं. मन्नत पूरी होने पर श्रद्धालु धागा खोलने के लिए एक बार फिर मंदिर का रुख करते हैं. नवरात्रि की अष्टमी को रात 12 बजे आरती का आयोजन किया जाता है. अगले दिन नवमी पर विशाल भंडारा होता है. भंडारे में प्रसाद ग्रहण करने बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं. खास बात है कि मंदिर छोटे तालाब के किनारे पर स्थित है. आसपास लगे आकर्षक फव्वारे शाम ढलते ही इलाके की सुंदरता को ओर अधिक बढ़ा देते हैं.

स्वच्छता पखवाड़े के तहत रंगोली और जागरूकता कार्यक्रम संपन्न

ब्यूरो मुरैना
दैनिक पुष्पांजलि टुडे

अंबाहः रविवार को मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद मुरैना की सहयोगी नवांकुर संस्था आदर्श रामसनेही जी जन चेतना शिक्षा एवं विकास समिति द्वारा शासकीय सीएम राइज विद्यालय अंबाह में स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत एक बौद्धिक चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य महात्मा गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर तक चल रहे स्वच्छता अभियान के प्रति जागरूकता फैलाना था।चित्रकला प्रतियोगिता की थीम ÷स्वभाव स्वच्छता÷ और ÷संस्कार स्वच्छता÷ पर आधारित थी। इस प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल में शामिल थे-

- श्री रामकेश सिकरवार(ब्लॉक समन्वयक, जन अभियान परिषद)
- डॉ. लाल सिंह किरार(संयोजक, सक्षम फाउंडेशन)
- सुशील छारी (परामर्शदाता)

प्रतिभागी टीमों का प्रदर्शन-

1. शिवाजीराव टीम- इस टीम ने स्वच्छता और साफ-सफाई पखवाड़े पर अपना चित्र प्रस्तुत किया। टीम के सदस्य थे पवन शर्मा, पवन सिंह, सोनम तोमर, शिल्पी माहोर, और राकेश, जिनका सहयोग श्री सुरेंद्र सिंह छारीद्वारा किया गया।
2. केशव राव बलिराम टीम-इस टीम ने पर्यावरण पर आधारित चित्र प्रस्तुत किया। टीम के सदस्य थे अशोक कुमार, राजीव कुमार, आनंद तोमर, मीना, और रचना, जिनका मार्गदर्शन नेहा तोमर द्वारा किया गया।
3. लाला लाजपत राय टीम- जल संरक्षण पर आधारित चित्र प्रस्तुत करने वाली इस टीम के सदस्य थे कुलदीप शर्मा, धर्मेंद्र तोमर, क्षमा कटारे, संध्या, सोनी, और रमेश तोमर, जिनका सहयोग राधाचरण तोमर ने किया।
4. सुभाष चंद्र बोस टीम- इस टीम का विषय घरेलू हिंसा था। टीम के सदस्य थे अरविंद, मानवता, अंजू, प्रियंका, रिंकी, और सुधा, जिनका सहयोग गिरजा शंकर शर्मा द्वारा किया गया।
5. मंगल पांडे टीम- नशा मुक्ति पर आधारित एक नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया, जिसमें घर में नशे के कारण उत्पन्न समस्याओं को दर्शाया गया। इसमें सीमा, नीतू, निकिता, दिनेश, मुकेश, और संजय ने भाग लिया, जिनका मार्गदर्शन डॉ. प्रेमदीप कुलश्रेष्ठ द्वारा किया गया।-

प्रत्येक टीम ने अपने-अपने विषय पर आधारित चित्रों और प्रस्तुतियों के माध्यम से स्वच्छता के प्रति संदेश दिया, जिसे सभी उपस्थित लोगों ने सराहा। कार्यक्रम का संचालन श्री रामकेश सिकरवार द्वारा किया गया, और डॉ. लाल सिंह किरार ने कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए सभी को बधाई दी। अंत में, श्री सुरेंद्र सिंह छारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। नवांकुर संस्था के माध्यम से स्वच्छता पखवाड़े के तहत विभिन्न पंचायतों में नुक्कड़ नाटक, सभाएं और कार्यशालाएं आयोजित की जा रही हैं, जिनमें कमतरी, सिकरोड़ी, तुतवास और अन्य गांव शामिल हैं। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक और प्रेरित करना है।

युवा सपा नेता पुष्पेंद्र यादव ने सीएमओ नगर परिषद मौ को ज्ञापन सौंपा

पुष्पांजलि टुडे रिपोर्टर मौ डॉ बेताल सिंह गौड़

आज मौ नगर परिषद सीएमओ के नाम समाजवादी पार्टी के युवा नेता पुष्पेंद्र यादव ने अपनी टीम के साथ नगर परिषद पहुंचकर ज्ञापन सौपा है जिसमें मांग की गई की रोड़ पर बैठी गायों को व्यवस्थित किया जाएं, और मौ में बन्द पड़ी स्ट्रीट लाइटें चालू कि जाएं,किटी वाले रोड़ पर कॉलेज के पास कचरा हटवाया जाएं जिस पर नगर परिषद द्वारा ज्ञापन की मांगों को पूरा करने का आश्वासन दिया गया ज्ञापन देने वालों में युवा नेता पुष्पेंद्र यादव, अरविंद कुशवाहा ,दिलीप कुशवाहा, सोनू यादव, पंकज यादव, मोहकम यादव आदि कई युवा नेता मौजूद रहे

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के तहत ऊर्जा मंत्री ने की सफाई

वार्ड 33 की प्याऊ वाली गली में सड़क, बिजली, सीवर और पानी की जनसमस्याओं का किया निरीक्षण

महेंद्र शर्मा उप संपादक
पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बुधवार 2 अक्टूबर गांधी जयंती के अवसर पर स्वच्छता ही सेवा पखवाड़े के अन्तर्गत ग्वालियर-15 विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 33 में स्वच्छता अभियान में हिस्सा लिया।ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सुबह वार्ड क्रमांक 33 की प्याऊ वाली गली में स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत सफाई करते हुए क्षेत्र की साफ-सफाई कर स्वच्छता के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आपकी सेवा हेतु आपके हर सुख-दुख में यह सेवक सदैव तत्पर है।इस अवसर पर उन्होंने वार्ड 33 के प्याऊ बाली गली में सड़क, सीवर, विद्युत व्यवस्था का निरिक्षण किया एवं मौके पर ही अधिकारियों को समस्याओं का त्वरित समाधान करने के लिए निर्देशित करते हुए कहा कि अधिकारी यह सुनिश्चित करें कि जनसमस्याओं का निराकरण तेजी के साथ हो और निर्धारित समयावधि में हो तथा निराकरण की जानकारी सम्बन्धित आवेदक को मिले। इस अवसर पर ऊर्जा मंत्री के निरीक्षण के दौरान अपर आयुक्त नगर निगम श्री मुनीष सिंह सिकरवार, क्षेत्रीय अधिकारी श्री शाक्य, सीवर नोडल अधिकारी श्री गुप्ता तथा विद्युत विभाग के अधिकारियों सहित भाजपा के वरिष्ठ नेता और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

संयुक्त कलेक्टर श्रीमती सोलंकी ने किया जिला चिकित्सालय का निरीक्षण

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

कलेक्टर श्री कर्मवीर शर्मा द्वारा जिले के शासकीय अस्पतालों के नियमित रूप से निरीक्षण के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में संयुक्त कलेक्टर श्रीमती हेमलता सोलंकी ने 03 अक्टूबर को महिला एवं बाल विकास की जिला कार्यक्रम अधिकारी श्रीमती भारती आवास्या के साथ जिला चिकित्सालय का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं को देखा। निरीक्षण के दौरान जनऔषधि केन्द्र, मेटरनिटी वार्ड, सीजर ऑपरेशन ओटी, कीचन एवं राशन भंडार को देखा गया। इस दौरान राशन भंडार की व्यवस्था में सुधार करने के निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान जिला चिकित्सालय की साफ-सफाई एवं सुरक्षा व्यवस्था को भी देखा गया।

खरगोन पुलिस ने शपथ ग्रहण के साथ किया मै हूँ अभिमन्यु अभियान का आगाज

खरगोन जिले से मुन्ना खान ब्यूरो चीफ पुष्पांजलि टुडे

पुलिस मुख्यालय भोपाल के द्वारा महिलाओं एवं बालिकाओं को सुरक्षित वातावरण उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे है, इसी क्रम मे संपूर्ण प्रदेश में दिनांक 03 अक्टूबर 2024 से 12 अक्टूबर 2024 तक विशेष जागरूकता अभियान ''अभिमन्यु÷ संचालित करने हेतु निर्देशित किया गया है । प्राप्त निर्देशो के पालन में पुलिस अधीक्षक खरगोन श्री धर्मराज मीना एवं अति. पुलिस अधीक्षक श्री मनोहर सिंह बरिया के निर्देशन में जिला खरगोन मे पुलिस के द्वारा अभियान ''अभिमन्यु÷ अभियान का शुभारंभ किया गया है, जिसका आगाज खरगोन पुलिस के द्वारा किया गया है ।खरगोन पुलिस के द्वारा इस अभियान के अंतर्गत दिनांक 03 अक्टूबर 2024 से 12 अक्टूबर 2024 तक विभिन्न माध्यमों से सार्वजनिक स्थानों - हाट बाजार, मेला, पर्यटन स्थल, बस स्टैंड, स्कूल -कॉलेज, गरबा पांडाल, शासकीय स्कूल/छात्रावास पर नुक्कड़ नाटक, पम्पलेट्स वितरण, सेल्फ़ी पॉइंट, मैराथन, जागरुकता रैली ,स्कूल कॉलेज भ्रमण व संवाद के माध्यम से समाज में व्याप्त लैंगिक असमानता को दूर करने, अधिक से अधिक आमजन को विशेषकर रूढ़िवादी परंपराओं को तोड़ने व उनकी सोच को आधुनिक समाज की आवश्यकता के अनुसार परिवर्तित करने, संवेदनशील बनाकर सकारात्मक व्यवहार विकसित करने, नशामुक्ति, दहेज, रूढ़िवादिता, अश्लीलता, असंवेदनशीलता, भ्रुण हत्या, अशिक्षा, लिंगभेद आदि महिला संबंधी अपराधों के प्रति जागरूक किया जाएगा । आज दिनांक 03.10.2024 को खरगोन पुलिस के द्वारा ÷अभिमन्यु÷ अभियान के अंतर्गत अनुभाग व थाना स्तर पर कार्यक्रमो का आयोजन कर सामूहिक शपथ ग्रहण का आयोजन किया गया, जिसमे पुलिस के द्वारा आमजन से अभियान से संबंधित शपथ - ''मैं शपथ पूर्वक प्रतिज्ञा लेता हूँ कि मैं ''अभिमन्यू÷ समाज में व्याप्त नशा, दहेजप्रथा, रूढिवादिता, अश्लीलता असंवेदनशीलता, भ्रूण हत्या, अशिक्षा, लिंग भेद जैसी कुरीतियों के चक्रव्यूह को तोडूंगा और पूर्वाग्रह मुक्त सकारात्मक समाज का निर्माण करूँगा÷ दिलवाई गई ।

9 बर्षीय बालिका के साथ गलत काम करने वाले आरोपी को दबोह पुलिस ने चन्द घन्टो मे किया गिरफ्तार

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक असित यादव के निर्देशन मे एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक और एसडीओपी लहार प्रवीण त्रिपाठी के मार्गदर्शन मे अप.क्र.187/2024 धारा 65 (2) बीएनएस 5एम/6 पाक्सो एक्ट के आरोपी को दिनांक 03/10/2024 को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है।दिनांक 02/10/2024 को फरियादिया की शिकायत पर थाना दबोह मे अपराध पंजीबध्द कराया गया था जिसमे फरियादिया के द्वारा बताया गया था कि ग्राम जाखौली मे दिनांक 01/10/2024 को आरोपी के द्वारा 9 वर्षीय बालिका के साथ गलत काम किया था बालिका ने घटना अपने परिजनो को बताई थी तब पीडिता के परिजन पीडिता को लेकर थाना पर आये थे थाने पर तत्काल पीडिता की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर पीडिता का मेडीकल जिला अस्पताल भिण्ड से कराया गया था पीडिता की स्थिति सामान्य है,आरोपी घटना समय से फरार था जिसकी तलाश हेतु थाने से टीम लगाकर गिरफ्तारी के प्रयास किये गये थे जो आरोपी को चन्द घण्टो मे गिरफ्तार कर माननीय न्यायालय लहार पेश किया गया।उल्लेखनीय कार्य में सराहनीय भूमिका में दबोह थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश शर्मा उपनिरीक्षक रविन्द्र माँझी,प्रधान आरक्षक आकाश केन,आरक्षक रमाकान्त राठौर की विशेष भूमिका रही।

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पंडित श्री श्रीलाल बहादुर शास्त्री जी की जयंती मनाई गई

महेंद्र शर्मा पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर। दिनांक 2 10 2024 को कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की एवं पं, श्री लाल बहादुर शास्त्री पूर्व प्रधानमंत्री की जयंती मनाई गई जिसमें गांधी जी के विचारों पर प्रकाश डाला गया एवं जिसमें मुख्य रूप से उपस्थित रहे श्री जगदीश प्रसाद शर्मा प्रबंध न्यासी कस्तूरबा गांधी विश्रांति भवन न्यास श्रीमती मीणा सचान न्यासी श्री सुरेश जी मित्तल सचिव सेवा भारती मात्र छाया श्री विमल जी आर्य उपाध्यक्ष सेवा भारती ग्वालियर श्रीमती कविता जैन श्रीमती वसुंधरा हाटवालिनी श्रीमती संदीपा मल्होत्रा दिनेश कुमार तिवारी प्रबंधक श्री पवन गणपुले श्री कविंद्र सिंह कुशवाहा प्रबंधक मात्र छाया कुमारी कल्पना ठाकुर समाजसेवी श्री राजू बघेल श्री अशोक कुमार उपाध्याय भागीरथ कुशवाहा मुख्य रूप से उपस्थित हुए

स्वयं को गोली मारकर घायल करने तथा झूठी रिपोर्ट दर्ज कराने वाले फरियादी को किया गिरफ्तार

पंकज त्रिपाठी
दैनिक पुष्पांजली टुडे
हत्या के प्रयास के मामले में भेजा गया जेल

भिण्ड । पुलिस अधीक्षक डॉ. असित यादव के मार्गदर्शन में व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव पाठक, नगर पुलिस अधीक्षक अरूण कुमार के निर्देशन में थाना प्रभारी देहात निरीक्षक मुकेश शाक्य के नेतृत्व में थाना क्षेत्र के गुण्डा, बदमाशों के विरूद्ध कार्यवाही जारी है। इसी तारतम्य में दिनांक 31/07/24 को फरियादी द्वारा थाना देहात पर गोली लगकर घायल अवस्था में उपस्थित होकर रिपोर्ट की थी जिस पर से थाना देहात में अपराध क्रमांक 423/24 धारा 297, 109 बीएनएस का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। विवेचना के दौरान शहर में लगे सैकडों सीसीटीवी कैमरों को खंगाला गया,तकनीकि साक्ष्य एवं घटना चच्छुदर्शियों के कथनों के आधार पर पाया गया कि फरियादी द्वारा स्वयं को कटटे से गोली मारकर घायल कर लिया था। फरियादी द्वारा पुरानी आपसी रंजिश के चलते स्वयं के हाथ में कटटे से गोली मार ली थी, तथा विरोधी को झूठे केस में फंसाने की नियत से उसके विरूद्ध झूठी एफआईआर पंजीबद्ध करायी गयी थी। इसी बीच प्रकरण फरियादी अस्पताल से छुटटी कराकर फरार हो गया था जिसे पुलिस द्वारा आज दिनांक को गिरफ्तार कर लिया गया।

उक्त सराहनीय कार्य में निरी मुकेश शाक्य,उपनिरीक्षक नागेश शर्मा, विजय शिवहरे,प्रधान आरक्षक गुरूदास, सोनेन्द्र राजावत,मुकेश खण्डेलवाल, आरक्षक रवि यादव, दीपक जादौन,सन्दीप राजावत, भूपेन्द्र राजावत,राकेश यादव,सोनू दुबे,अनिल जाट अतुल पाण्डेय की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत महिला सशक्तिकरण पर पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे

भिण्ड । कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के मार्गदर्शन एवं एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी संजय कुमार जैन के निर्देशन मे शक्ति अभिनंदन अभियान के तहत जिला भिंड अंतर्गत समस्त आंगनबाड़ी केंद्र में निर्देशानुसार शक्ति सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बाल संरक्षण अधिकारी अजय सक्सेना के द्वारा अवगत कराया गया कि शक्ति अभिनंदन अभियान की 2 अक्टूबर से 11 अक्टूबर तक लगातार चलने वाली गतिविधियों में दिनांक 3 अक्टूबर की गतिविधि में शक्ति सम्मान और विद्यालय में महिला सशक्तिकरण पर आधारित पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित किया जाने की जानी है,जिसके क्रम में शक्ति अर्थात नारी शक्ति बालिकाएं और महिलाओं का सम्मान किया गया कन्या पूजन के माध्यम से शक्ति पूजन किया गया इसके साथ ही विभिन्न विद्यालयों में महिला सशक्तिकरण पर पेंटिंग प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया उक्त कार्यक्रम जिला अंतर्गत समस्त परियोजनाओं में किए जा रहे हैं।उक्त के अतिरिक्त बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजनांतर्गत अंतरराष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर दिनांक 3 अक्टूबर की गतिविधि में बालिकाओं किशोरियों को सरकारी कार्यालय,पुलिस थाना,बैंकों आदि का भ्रमण कार्यक्रम कराया जाना था जिसके क्रम में बालिकाओं को थाना गोहद का भ्रमण कराया एवं पुलिस से संबंधित विभिन्न कायवाहियों को साझा किया गया थाना प्रभारी एवं सब इंस्पेक्टर द्वारा किशोरी बालिकाओं को थाने में एफआईआर दर्ज करना,शिकायत करने का तरीका,आवेदन जमा करने का तरीका आदि के बारे में बताया गया।इसी क्रम में बालिकाओं को डाकघर का भ्रमण कराया गया जहां डाकघर में संचालित विभिन्न स्कीमों के बारे में जानकारी दी गई पैसा जमा करना ब्याज दर सेविंग अकाउंट आदि के बारे में जानकारी प्रदान की गई।उक्त कार्यक्रम में महिला बाल विकास विभाग के परियोजना अधिकारी, पर्यवेक्षक,आंगनबाड़ी कार्यकर्ता और क्षेत्र अंतर्गत किशोरी बालिका, महिलाओं को सम्मिलित करते हुए गतिविधि आयोजित की जा रही है

मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन से आयुक्त जनसंपर्क श्री सुदाम खाड़े ने मुलाकात कर पुष्पगुच्छ भेंट किया।

संपादक की कलम से

महात्मा गांधी की समाज व्यवस्था का आधार है धर्मनिरपेक्षता

गांधी जी के अनुसार, आजाद भारत में पुलिस व सेना पूरी तरह से निष्पक्ष होनी चाहिए। उसका मुख्य कर्तव्य देश में शांति और भाईचारा स्थापित करना होना चाहिए। उन्हें गरीबों और असहायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्हें हमेशा अल्पसंख्यकों और दलितों के अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। स्वयं पुलिस व सेना के भीतर जाति तथा धर्म के आधार पर विभाजन नहीं होना चाहिए।

इस समय सम्पूर्ण देश में इस बात पर बहस जारी है कि सेक्युलरिज्म(धर्मनिरपेक्षता) भारतीय मूल्य है या यूरोपीय है। इस बात पर बहस तमिलनाडु के राज्यपाल द्वारा प्रारंभ की गयी है। परंतु जिस धर्मनिरपेक्षता को हम मानते हैं, जिसे इस देश की बहुसंख्यक जनता मानती है वह पूरी तरह से भारतीय है। हम धर्मनिरपेक्षता की उस परिभाषा को मानते हैं जो बापू ने की है। उनका धर्मनिरपेक्षता या सेक्युलरिज्म के प्रति जो विचार था वही हमारा विचार है।

गांधी जी की नजर में धर्मनिरपेक्षता क्या है? उन्होंने अनेक अवसरों पर इसकी परिभाषा की थी। हमारा तमिलनाडु के राज्यपाल से अनुरोध है कि वे भी गांधीजी द्वारा परिभाषित धर्मनिरपेक्षता को स्वीकार करें।

धर्मनिरपेक्षता ही थी गांधीजी की समाज व्यवस्था का आधार। उनसे एक विदेशी पत्रकार ने पूछा कि "यह कैसे हो सकता है कि आप धार्मिक भी हैं और धर्मनिरपेक्ष भी।'

उनका उत्तर था "हां मैं धार्मिक हूं और धर्मनिरपेक्ष भी। मेरी मेरे सनातन धर्म में अगाध आस्था है। यदि कोई मेरी आस्था पर हमला करेगा तो मैं अपने धर्म की रक्षा करते हुए अपनी जान भी दे दूंगा। परंतु मेरे पड़ोस में किसी अन्य धर्म का पालन करने वाला परिवार रहता है और उसकी आस्था पर कोई हमला करता है तो मैं उसकी रक्षा करते हुए भी अपनी जान दे सकता हूं"। यह है गांधी जी की धर्मनिरपेक्षता अर्थात भारत की धर्मनिरपेक्षता।

इस समय हमारे देश में धर्म के आधार पर प्रायः संघर्ष की स्थिति निर्मित हो जाती है। परंतु ऐसी स्थिति में हम तटस्थ हो जाते हैं और मूकदर्शक बनकर खून-खराबा होने देते हैं। यहां तक कि हमारी पुलिस भी तमाशबीन बन जाती है। पिछले 70 वर्षों में हमारे देश में धार्मिक वैमनस्य के कारण हुए दंगों से देश काफी कमजोर हुआ है। गांधीजी ने साम्प्रदायिक दंगों को रोकने के लिए मैदानी संघर्ष किया। नौआखली और दिल्ली के दंगों के दौरान उनकी भूमिका इतिहास का हिस्सा बन गयी। धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षाऔर विकास गांधीजी की धर्मनिरपेक्षता का अभिन्न अंग था।

एक अवसर पर गांधीजी ने कहा था, "यदि आजाद भारत में अल्पसंख्यक, दलित और स्त्रियां अपने आपको सुरक्षित महसूस नहीं करेंगीं तो वह भारत मेरे सपनों का भारत नहीं होगा। मेरे भारत में छुआछूत नहीं होगी। मेरे भारत में सभी को अपने धर्म का पालनकरने का पूरा अधिकार होगा। मेरे भारत के नागरिकों को कोई यह आदेश नहीं देगा कि वह क्या खाये और क्या न खाये, क्या पहने और क्या न पहने। मेरे भारत की सरकार सभी धर्मों के अनुयायियों को बराबर सुरक्षा देगी और किसी एक धर्म को संरक्षण प्रदान नहीं करेगी।'

गांधीजी की इच्छा थी कि भारत सही अर्थों में एक लोकतंत्र बने। उनकी मान्यता थी कि लोकतंत्र में ही धर्मनिरपेक्ष समाज का अस्तित्व हो सकता है। उनके लोकतंत्र में ऐसी राजनीतिक पार्टियों का कोई स्थान नहीं होगा जो संकुचित हों, निहित स्वार्थों को बढ़ावा दें, जो सिर्फ पैसे की ताकत से सत्ता पर कब्जा करें और जो षड्यंत्र करके सत्ता हथियाएं।

लोकतंत्रात्मक समाज में पुलिस और सेना की क्या भूमिका होगी इसके बारे में गांधीजी के स्पष्ट विचार थे। गांधी जी के अनुसार, आजाद भारत में पुलिस व सेना पूरी तरह से निष्पक्ष होनी चाहिए। उसका मुख्य कर्तव्य देश में शांति और भाईचारा स्थापित करना होना चाहिए। उन्हें गरीबों और असहायों की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्ध होना चाहिए। उन्हें हमेशा अल्पसंख्यकों और दलितों के अधिकारों का संरक्षण करना चाहिए। स्वयं पुलिस व सेना के भीतर जाति तथा धर्म के आधार पर विभाजन नहीं होना चाहिए।

गांधी जी का कहना था कि "धार्मिक समरसता के साथ-साथ सभी के सिर पर छांव, सभी को भोजन, शिक्षा और स्वास्थ्य की सुविधा मिलनी चाहिए। सभी को सुलभता से न्याय प्राप्त होना चाहिए। सभी के बीच सीमेंट के समान एकता रहनी चाहिए। मैं स्वयं इस एकता के लिए सीमेंट की भूमिका अदा करने को तैयार हूं। इस एकता के लिए मैं अपना खून भी दे सकता हूं।' फिर गांधी जी ने ऐसा किया भी। नाथूराम गोडसे गांधीजी के इन्हीं विचारों से नाराज था और इसी के चलते उसने बापू की हत्या की और बापू ने यह सिद्ध कर दिया कि उन्होंने इस समरसता को कायम रखने के लिए सीमेंट का काम किया। जान ब्रिले, जिन्होंने 'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि लिखी थी, से पूछा गया कि आपने'गांधी' फिल्म की पांडुलिपि क्यों लिखी? उत्तर देते हुए उन्होंने कहा कि "मुझे गांधीजी के अभूतपूर्व साहस, उनकी नम्रता, उनकी प्रतिबद्धता, सहनशीलता, उनकी दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करने की चुंबकीय शक्ति, जिस शक्ति से गांधीजी विभिन्न संस्कृतियों के जीते-जागते प्रतीक जवाहर लाल नेहरू और हठ की हद तक दृढ़ निश्चयी और रूखे व्यक्तित्व के धनी सरदार पटेल को अपनी ओर आकर्षित कर सके। उनमें अद्भुत संगठन क्षमता थी।

चाँद मियां से चाँद तक का सफर

हेडिंग -- @ राकेश अचल

******

रोजाना लिखकर दिहाड़ी कमाने वाले हम जैसे लोग आजकल चकरघिन्नी बने हुए है। लिखने के लिए इतने मुद्दे और विषय कुकुरमुत्तों की तरह उग आते हैं। तय कर पाना कठिन हो जाता है कि कौन से मुद्दे पर लिखा जाये और कौन से छोड़ दिया जाये ? आज भी समाने चाँद मियां हैं, गांधी बब्बा हैं, सर्वपितृ मोक्ष अमावस्या है और नितिन गडकरी की विषकन्या है।

बात चाँद मियाँ से शुरू करते है। ये चाँद मियां अपने चिर-परिचित साईं बाबा हैं। काशी के ब्राम्हणो ने अपने शहर के मंदिरों से चाँद मियां की 14 प्रतिमाएं ऐसे हटा दीं जैसे वे कोई आतंकवादी हों। साईं बाबा का नाम चाँद मियां हो या अब्दुल इससे कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क इस बात से पड़ रहा है कि समाज में नफरत मनुष्यों से होती हुई अब बुतों पर आ गयी है। साईं बाबा उर्फ चाँद मियां के खिलाफ नफरत का श्रीगणेश दिवंगत शंकराचार्य स्वामी स्वरूपानंद सरस्वती ने किया था। काशी के ब्राम्हणों की करतूत देखकर स्वामी जी की आत्मा गदगद हो रही होगी। स्वाभाविक है ऐसा होना।

हमारे देश में किसी चाँद मियां को पूजने की गुंजाईश नहीं है। काशी के पंडितों का पंडितों के बूते से बाहर है अन्यथा वे चाँद मियां के बुतों के साथ ही अजमेर जाकर ख्वाजा साहब की मजार भी उखाड़ फेंकते क्योंकि वे भी मियां हैं। काशी के ब्राम्हण दरअसल साईं बाबा की पूजा को प्रेत पूजा मानकर इसको सनातन विरोधी बता रहे हैं जैसे सनातनी प्रेत, भूत, मशान की पूजा करते ही नहीं हैं। वे पूरे पितृपक्ष में क्या करते हैं वे खुद नहीं जानते। दरअसल काशी के ब्राम्हण न चाँद का अर्थ जानते हैं और न मियाँ का। उनके लिए तो ये दोनों म्लेच्छ हैं, विजातीय हैं, विधर्मी हैं, उन्हें मंदिरों में पूजने की तो छोड़िये इस मुल्क में भी रहने की इजाजत नहीं दी जाना चाहिए।

कोई चार दशक पहले मैंने भी साईं बाबा के मंदिर जाकर शायद पाप किया था। मुझे उस समय किसी ब्राम्हण या शंकराचार्य ने बताया ही नहीं कि साईं बाबा चाँद मियां हैं इसलिए उनके दर्शन करने से पाप लगता है। शिरडी के साईं मंदिर में जाने वालों को ये काशी वाले कैसे रोकेंगे मुझे पता नहीं क्योंकि वहां आज भी हर दिन हजारों लोग जाते हैं। काशी वालों कि संसद आजकल देश कि प्रधानमंत्री भी हैं उन्हें चाहिए कि वे देश में जहँ-जहाँ चाँद मियां कि मंदिर हैं उनके ऊपर बुलडोजर चलवा दें। शिरडी में तो ये काम और आसान है क्योंकि वहां उनकी अपनी डबल इंजिन की सरकार है। इसके लिए संसद में कोई विधेयक लाने या अध्यादेश जारी करने की भी जरूरत नहीं है

इस देश की खासियत ये है कि यहां के ब्राम्हणों को अपना मूल काम करने की तो फुरसत नहीं है और ऊल-जलूल काम करने कि लिए वे हमेशा तैयार रहते हैं। मैं अभी तक ब्राम्हणों को विद्वत परिषद का सम्माननीय सदस्य मानता था लेकिन मुझे अब लगता है कि काशी के ब्राम्हण मंडन मिश्र की परम्परा कि ब्राम्हण नहीं है। वे कूप मंडूक हैं, उन्हें भी सियासत करना आ गया है। वे भी सरकार की हिन्दू राष्ट्र की कल्पना में डुबकियां लगा रहे हैं। जन्मना मै भी एक ब्राम्हण हूँ लेकिन मुझे ईश्वर की कृपा से न ऐसे सपने आते हैं और न मुझे किसी की पूजा-रचा से कोई आपत्ति है। जिसे, जो पसंद है वो उसे पूजे। मंदिर बनाये, मस्जिद बनाये, गुरूद्वारे बनाये, गिरजाघर बनाये। चाहे तो अपने नेताओं की प्रतिमाएं बनाकर उन्हें चाँद मियां के स्थान पर लगवा कर प्राण- प्रतिष्ठित कर दे।

मुझे लगता है कि काशी में जो हुआ है उससे एक बात तो प्रमाणित हो गयी है की नितिन गडकरी की विषकन्या अपना काम करने में कामयाबी कि बहुत नजदीक है। विषकन्या अर्थात सत्ता ने समाज में इतना जहर घोल दिया है की वो अब आदमियों कि साथ-साथ बुतों से भी अदावत मानने लगा है। मेरा आज भी मानना है की काशी कि ब्राम्हण हों या उनके स्मार्टक हिन्दू धर्म में आयी संकीर्णता की वजह से धर्म की दरकती ईंटों को देखकर आतंकित हैं, उन्हें अपनी रोजी-रोटी पर खतरा मंडराता दिखाई दे रहा है। ये खतरा है या नहीं अलग बात है लेकिन उन्हें ये खतरा महसूस कराया जा रहा है फर्जी आंकड़े दिखाकर।

काशी कि ब्राम्हण नहीं जानते कि चाँद मियां की बिरादरी में बुत परस्ती की मुमानियत है। उनके यहां पांच वक्त की आरती नहीं नमाज होती है ये तो हम हिन्दुओं में ही मुमकिन है। चाँद मियां कि मंदिर और बुत किसी मुसलमान ने नहीं बनवाये, हिन्दुओं ने बनवाये है। वाहन पांच वक्त की आरती चाँद मियां की बिरादरी वालों ने शुरू नहीं की बल्कि हिन्दुओं ने शुरू की है। ऐसे लोगों को देशद्रोही, धर्मविरोधी करार देकर देश के बाहर कर देना चाहिए।

दरअसल ये मंगल पर जाने का नहीं अपितु गाय और गोबर की और लौटने का युग है। यहां गाय को राजमाता बनाने की होड़ चल रही है और इसके पीछे वे ही पावन हाथ हैं जो गोमांस का निर्यात करते हैं। लेकिन काशी कि पंडितों का जोर इनके ऊपर नहीं चलता। काशी वाले चाँद मियां की प्रतिमाएं तो हटा और हटवा सकते हैं लेकिन गोमांस का भक्षण करने वाले किसी केंद्रीय मंत्री को मंत्रिमंडल से नहीं निकलवा सकते। आज जब मै ये सब लिख रहा हूँ तब मुझे महात्मा गाँधी की याद आती है। आज उनका जन्मदिन है। अच्छा हुआ कि वे आज नहीं हैं अन्यथा काशी वालों की करतूत उन्हें भी बहुत परेशान करती। वे परेशान होकर आज भी -' सबको सन्मति दे भगवान ' का भजन गाते दिखाई देते। चाँद मियां के बुतों कि दुश्मनों के लिए तो बाबा गाँधी कि बुत भी कांटे की तरह चुभते हैं। लेकिन सियासी मजबूरी है कि उन्हें देश में भी और विदेश में भी गांधी कि बुतों कि आगे बुत बनकर अपना शीश झुकाना पड़ता है। काशी ब्रांड पंडितों का जोर नहीं है अन्यथा वे गाँधी के बुतों की जगह क्रांतिवीरों कि बुत स्थापित कर चुके होते।

बहरहाल आज पितृमोक्ष अमवस्या है। आज अपने पूर्वजों कि तर्पण का आखरी दिन है। काशी कि पंडित अपने पूर्वजों को कैसे विदा करते हैं ये आप सभी ने देख लिया है। काशी के पंडितों को पहले मियाँ शब्द कि अर्थ को जान लेना चाहिये। चाँद मियां कि साथ जो मियां शब्द बाबस्ता है वो फारसी का शब्द है। संस्कृत में भी होता तो भी उसका अर्थ स्त्री का पति, स्वामी, मालिक सादात ही होता। मियां का अर्थ अल्लाह, मुर्शिद, पीर, संगीतज्ञ, मिरासी, मूर्ख, दीवाना, बावला मीरान अर्थात सरदार,आका, मालिक, हाकिम, सरदार, बुजुर्ग, वाली वारिस उस्ताद, पढ़ाने वाला, मुल्ला ही होता। वैसे पहाड़ी राजपूत, राजाओं के खानदानी लोग, ठाकुर, शहजादे, शाही खानदान के लोग भी एक -दूसरे के लिए जाने-अनजाने मियां शब्द का इस्तेमाल करते रहे हैं। हम तो उन शाइरों को जानते हैं जिनके नाम कि आगे मियां ऐसे जुड़ा होता है जैसे किसी शहजादे की टोपी में सुर्खाब का पर। मियां नासिख, मियां मुसहफी, मियां जुराअत, मियां इशक का नाम तो आपने भी सुना ही होगा। हमारे शिवदयाल अष्ठाना तो हमें हमेशा मियां ही कहकर पुकारते थे। वे लखनऊ के थे। वे भी आज हंस रहें होंगे कहीं स्वर्ग में ये सब देखकर।

गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता हुआ भारत

- डॉ. दीपक पाचपोर

एक पुष्ट संसदीय लोकतंत्र हो या संविधान अथवा फिर आरक्षण- यह सारा कुछ भारत को गांधीजी के मरने के बाद ही मिला। तो भी इनमें गांधी के प्राण बसते हैं और उनकी आत्मा का निवास है। दक्षिण अफ्रीका से शुरू हुआ रंगभेद के खिलाफ उनका आंदोलन एक तरह से लोकतंत्र की ही लड़ाई थी, समानता का संदेश था और एक ऐसी व्यवस्था की जरूरत को प्रतिपादित करता था। जिस प्रकार से लोकतंत्र, संविधान, आरक्षण जैसे मुद्दों को लेकर भारतीय जनता पार्टी भारत को हमेशा भ्रमित रखना चाहती है, उसी तरह वह गांधी को लेकर नये भारत को असमंजस में डालने की कोशिश करती है। इस भ्रम को फैलाने के अभियान की अगुवाई स्वयं प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कर रहे हैं। यह अलग बात है कि इस प्रक्रिया में वे खुद ही सर्वाधिक असमंजस में हैं। चूंकि गांधी के व्यक्तित्व के बरक्स मोदी पासंग भी नहीं हैं तथा बापू का नैसर्गिक आभामंडल मोदी की कृत्रिम चकाचौंध को फीका करता है, मोदी चाहते हैं कि भारत गांधीजी को भूल जाये। उनका दुर्भाग्य कि पिछले 10-11 वर्षों की उनकी अथक मेहनत के बावजूद भारत गांधी को भूलने से बार-बार इंकार करता रहा है। जिस विचारधारा के मोदी प्रतिनिधि हैं वह गांधी के खिलाफ तभी से विद्यमान है जब वे दक्षिण अफ्रीका से लौटे थे- कुछ और पहले से। उनके भारत आगमन के कुछ आगे-पीछे एक ऐसी विचारधारा पनप रही थी जो आजादी के बाद भारत को एक आधुनिक देश बनाने की बजाय मध्ययुगीन समाज की ओर लौटाना चाहती थी। महात्मा गांधी और उनके नेतृत्व में कांग्रेस ने उनके मंसूबों पर पानी फेर दिया। स्वतंत्रता किस तरह से हासिल करनी है और आजाद भारत किस दिशा में बढ़ेगा- इसका ब्लू प्रिंट बापू के पास 'हिंद स्वराज्य' के रूप में बना-बुनाया था। इसलिये आजादी के आंदोलन का नेतृत्व करने के लिये जनता ने महात्मा गांधी और कांग्रेस की वैचारिकी को चुना था। लोग देख रहे थे कि जो विचारधारा गांधी विरोधियों की है वह समावेशी नहीं है और उसका असली उद्देश्य अंग्रेजों के जाने के बाद देश की सामाजिक व्यवस्था को कुछ लोगों के हाथों में सौंप देना था जो एक सामंती व्यवस्था के जरिये ही सम्भव था। इसलिये उसे बचाने के लिये अंग्रेजों के खिलाफ इस विचारधारा की लड़ाई कालांतर में फिरंगियों के अप्रत्यक्ष समर्थन में बदल गई। लोगों ने कोई गलती नहीं की और स्वतंत्र भारत की सत्ता सौंपी उसी संगठन को जिसने स्वतंत्रता की लड़ाई का नेतृत्व किया था। 2014 में भारतीय जनता पार्टी को सत्ता मिली, तो उसने आजादी के बाद देश का जो पुनर्निर्माण हुआ, उससे कुछ सीखने की बजाय छह दशकों की संचित अपनी खीज और कुंठा को निकालना शुरू किया। मोदी ने लोगों को बताया कि 'इतने समय तक देश ने कुछ हासिल नहीं किया।' दरअसल मोदी उस पीढ़ी का नेतृत्व कर रहे हैं जो मानता है कि 'भारत को असली आजादी 2014 के बाद मिली है'; या, 'देश स्वतंत्र नहीं हुआ है बल्कि अंग्रेज उसे 99 वर्षों की लीज पर दे गये हैं'। मोदी इसी नये भारत के नेता हैं, जिनके अनुसार '2014 के पहले आदमी भारत में जन्म लेने पर पछताता था।' गांधी जहां समानता और धर्मनिरपेक्षता के पैरोकार थे, वहीं ये शक्तियां वर्ण व्यवस्था पर आधारित समाज बनाने की इच्छुक हैं। इन प्रतिगामी ताकतों की विकसित भारत की अवधारणा ऐसी है जहां कुछ लोगों को तो जन्मजात विशेषाधिकार हों, शेष पांच किलो राशन पर गुजारा करें। अमीरों की थालियों से रिसते हुए भोजन से बाकी पेट भरें- यही इस वर्ग का अर्थशास्त्र है। ऐसे अनेक कारण हैं जिनके चलते इनकी गांधी से कभी न बनी। बनती अब भी नहीं, लेकिन देश और दुनिया में गांधी जो अर्जित कर गये हैं उससे किसी में इतनी हिम्मत और नैतिक बल नहीं है कि वे गांधी की सार्वजनिक आलोचना कर सकें। सीमित सदस्यों वाली बैठकों, गोदी मीडिया के कार्यक्रमों, ड्राइंग रूम के चुटकुलों, वाट्सएप विश्वविद्यालय के सिलेबस आदि में वे चाहे जितना गांधी को गरियाएं- अपने ऐसे किसी भी बयान को रिकॉर्ड पर लाने का साहस न मोदी में है, न उनके सिपहसालारों में है, न उनकी पार्टी में। चाहे गांधी का हत्यारा उनका अपना रहा हो, उसकी यह पूरी बिरादरी मन ही मन तारीफ करती हो परन्तु जहां देश के भीतर अपनी छवि को साफ-सुथरा दिखाना हो, उन्हें गांधी के समक्ष सिर नवाना ही पड़ता है; और विदेश में खुद को गांधी के देश से आया हुआ बतलाना जरूरी हो जाता है। दूसरी ओर मोदी के लिये यह भी जरूरी है कि उनके प्रिय काडर में से कोई गांधी की तस्वीर पर गोलियां चलाए तो उन्हें कहना पड़ता है कि 'उसे वे दिल से कभी माफ नहीं करेंगे।'

गांधी का डांडी मार्च डंडा मार्च में बदल दिया गया है

- श्रवण गर्ग

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं।)

महात्मा गांधी का विचार और उनकी जरूरत वर्तमान की विभाजनकारी राजनीति के लिए चरखे के बजाय मशीनी खादी से बुनी गई ऐसी नकाब हो गई है जिसके पीछे उनकी सहिष्णुता ,अहिंसा और लोकतंत्र का मजाक उड़ाने वाले क्रूर और हिंसक चेहरे छुपे हुए हैं। ये चेहरे गांधी विचार की जरा-सी आहट को भी किसी महामारी की दस्तक की तरह देखते हैं और अपने अनुयायियों को उसके प्रतिरोध के लिए तैयार करने में जुट जाते हैं। यही कारण है कि ग्वालियर में हत्यारे नाथूराम गोडसे की प्रतिमा की बिना किसी विरोध के प्राण-प्रतिष्ठा हो जाती है और अलीगढ़ में राष्ट्रपिता के पुतले पर सार्वजनिक रूप से गोलियाँ चलाकर तीस जनवरी 1948 की घटना का गर्व के साथ मंचन कर दिया जाता है।

पोरबंदर स्थित कीर्ति मंदिर का वह कक्ष जहां बापू का जन्म हुआ था)

(दुर्गा पूजा के अवसर पर दो साल पहले कोलकाता में अखिल भारतीय हिंदू महासभा द्वारा बनाए गए पंडाल में बापू जैसी दिखने वाली प्रतिमा को असुर की छवि में प्रस्तुत किया गया था। पूजा के आयोजकों का कहना था कि यह संयोग हो सकता है कि बापू असुर जैसे नजर आ रहे हों पर आजादी के आंदोलन में गांधी की भूमिका की आलोचना अवश्य होनी चाहिए।) दक्षिण अफ्रीका की 7 जून 1893 की घटना की तरह अगर आज की तारीख में कोई सवर्ण किसी मोहनदास करमचंद गांधी को ट्रेन से उतारकर प्लेटफार्म पर पटक दे तो कितने लोग उनकी मदद के लिए आगे आने की हिम्मत करेंगे दावे के साथ नहीं कहा जा सकता। विदेशों में बसने वाले भारतीय या एशियाई मूल के नागरिक आए-दिन अपने ऊपर होने वाले नस्लीय हमले चुपचाप सहते रहते हैं जिनमें लूट और हत्याएँ भी शामिल होती हैं। इन हमलों के खिलाफ कहीं कोई छटपटाहट नहीं नजर आती।

अलग-अलग दलों और धड़ों में बँटा देश का राजनीतिक नेतृत्व गांधी और उनके विचारों को काफी पीछे छोड़ चुका है। उसके लिए जरूरत सिर्फ. गांधी के आश्रमों (सेवाग्राम और साबरमती) के आधुनिकीकरण या उन्हें भी ह्यसेंट्रल विस्टाह्ल जैसा ही कुछ बनाने की बची है। गांधी के अहिंसक ह्यडांडी मार्चह्ल को हिंसक ह्यडंडा मार्चह्ल में बदल दिया गया है। अमेरिका और योरप स्थित तमाम अंतर्राष्ट्रीय संस्थान मानवाधिकारों, धार्मिक सहिष्णुता, नागरिक-स्वतंत्रता, मीडिया की आजादी और लोकतंत्र आदि विषयों को लेकर दुनिया भर के देशों की जो प्रावीण्य सूची(ग्लोबल इंडेक्स) हर साल जारी करते हैं उसमें कई क्षेत्रों में भारत का स्थान लगातार नीचे जा रहा है पर नेतृत्वकताओं को महात्मा गांधी के विचार से ज्यादा भरोसा प्रतिबद्ध मतदाताओं की ताकत पर है। एक राष्ट्र के रूप में नागरिकों को जिस तरह के संवेदनाशून्य रोबोटों में ढाला और प्रशिक्षित किया रहा है, उनके कदमों में जिस तरह की तेजी और स्वरों में जैसी तीक्ष्णता लाई जा रही है, भविष्य की सम्भावनाओं को लेकर खौफ उत्पन्न करती है।

अपने एक आलेख में मैंने एक डरे हुए राष्ट्र के नागरिकों जैसी मानसिकता का ज़िक्र करते हुए उल्लेख किया था कि हम अपनी इस शर्म को सार्वजनिक रूप से स्वीकार करने में संकोच कर रहे हैं कि एक विचार के रूप में गांधी की जरूरत हमें नहीं बची है। हमारे शिखर पुरुषों ने नागरिकों को स्वतंत्रता संग्राम के नए नायक और स्व-रचित इतिहास के पन्ने सौंप दिए हैं। जासूसी के आयातित उपकरणों के मार्फत नागरिकों पर नजर भी रखी जा रही है कि वे क्या पढ़, सुन और बोल रहे हैं।

किसी समय अपनी कमाई से घर चलाने वाले पिता को जैसे उनके सेवा-निवृत होते ही पहले ड्रॉइंग रूम से हटा कर पीछे के किसी कमरे और फिर वृद्धाश्रम में स्थानांतरित कर दिया जाता है वैसे ही राष्ट्र के विकास की अंतर्राष्ट्रीय उड़ान के लिए गांधी को भी एक गैर-जरूरी सामान या ह्यएक्सेस बैगेजह्ल साबित किया जा रहा है। इस काम की शुरूआत आजादी के सूर्योदय के पहले ही तब हो गई थी जब नवम्बर 1946 में गांधी को साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस रहे अविभाजित बंगाल के एक हिस्से नोआखली की यात्रा पर जाना पड़ा था। गांधी को कोई चार महीने वहाँ रहना पड़ा था और इसी बीच दिल्ली में राष्ट्र के विभाजन की कार्रवाई पूरी कर ली गई। धर्म को पहले राष्ट्र के विभाजन का हथियार बनाया गया था और अब उसका इस्तेमाल नागरिक-समाज को बाँटने के लिए किया जा रहा है। गांधी के होने की जरूरत अब इसलिए बढ़ती जाएगी कि हिंसा के इस्तेमाल को सत्ता की प्राप्ति और सत्ता में बने रहने का आजमाया हुआ हथियार स्थापित कर दिया गया है। वीरों का नया आभूषण अहिंसा के स्थान पर हिंसा बन गया है।

गिला शिकवा

जीवन में खुद पर भरोसा करना सीख लिया,
अपने ही कदमों ने दुख में साथ दिया,
दूसरों के सहारे बैठने वाला का समय बर्बाद,
अपने हाथों से खाया जिसने उसे पता स्वाद,
दूसरा तो देगा बात- बात पर ताने,
बात होगी स्वार्थ भरी नहीं कीमत दो आने,
दुनिया है चालाक उल्ट पटांग नहीं बिकता,
नहीं करता अब किसी से गिला शिकवा।
दूसरों के भरोसे गाड़ी नहीं चला करती,
दिलों दिमाग से ही पटरी पर सरकती,
खुद की मेहनत देती परिणाम सुखद,
संकट में दूसरों की ओर देखना दुखद,
विकट परिस्थितियों में कई कर लेते किनारा,
कर्म क्षेत्र में डटकर देख यही बनेगा सहारा,
हाथों को फौलादी बना भाग्य रेखा जो लिखता,
नहीं करता अब किसी से गिला शिकवा।
एक समय ऐसा अपने भी साथ छोड़ देते,
फिर अपनी स्मरण शक्ति से काम सब लेते,
भाग्य की कलम से खुद लिखकर देख,
बड़ी-बड़ी मुसीबतें देगी घुटने टेक,
जिसने अपने पथ का कर लिया चुनाव,
बचेगा वही जीवन में नहीं मिलेगा सैलाब,
लहू की हर बूंद में भरोसा जब टिकता,
नहीं करता अब किसी से गिला शिकवा।
इस संसार में लगा रहता आना-जाना,
वही सफल जिसने कर्म में चेहरा पहचाना,
बढ़ना तभी जब पैरों को मिले सही दिशा,
करके तो देख सूरज का थोड़ा सा पीछा,
दुनिया देगी थोड़ा सा सुनाएगी ज्यादा,
अब तो सीख ले खुद से ही करना वादा,
अब दिल का राज आईने में दिखता,
नहीं करता अब किसी से गिला शिकवा।

-डॉ. विनोद कुमार शर्मा, चंडीगढ़।

रीवा का रानी तालाब मंदिर है देवी भक्तों की अनन्य श्रद्धा का केन्द

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। वर्षाकाल की समाप्ति के बाद शरद ऋतु के आगमन के साथ ही नवरात्रि का पर्व मनाया जाता है। अश्विन मास की प्रतिपदा से नवरात्रि पर्व आरंभ होता है। देवी माता की भक्ति और शक्ति उपासना का यह पर्व पूरे विन्ध्य में श्रद्धा, भक्ति और उल्लास के साथ मनाया जाता है। विन्ध्य में नवरात्रि का सबसे ब?ा मेला मैहर में माँ शारदा के दरबार में लगता है। उसके बाद संभाग के सभी जिलों में कई देवी मंदिरों में माँ शारदा तथा माँ दुर्गा के अलग-अलग अवतारों की पूजा की जाती है। रीवा शहर के पाड़ेन टोला के पुराने मोहल्ले में प्राचीन रानी तालाब है। इस तालाब के किनारे ही बगलामुखी देवी माता कालिका प्राचीन मंदिर है। यह मंदिर देवी भक्तों की अनन्य श्रद्धा का केन्द्र है। नवरात्रि पर्व के दौरान सुबह तीन बजे से ही

इसमें भक्तों का तांता लगा रहता है। हजारों भक्त नवरात्रि के प्रत्येक दिन पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ माता को जल चड़ाने के लिए रानी मंदिर आते हैं। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं की होती है। नवरात्रि पर्व में रानी तालाब मंदिर परिसर में मेले का आयोजन किया जाता है। नगर निगम रीवा द्वारा परिसर में साफ-सफाई, पेयजल तथा वाहनों के पार्किंग की व्यवस्था की जाती है। भक्तों की सुविधा और सुरक्षा के लिए सुरक्षा बल तैनात रहते हैं। रानी तालाब का मंदिर जन्मश्रुतियों के अनुसार सैकड़ों वर्ष पुराना है। इस संबंध में किवदंती प्रचलित है कि व्यापारी का एक दल जिसे उस समय लवासना कहा जाता था, रीवा आया हुआ था। उस समय रीवा की आबादी केवल उपरहटी मोहल्ले में किले के आसपास तक ही थी। व्यापारियों के साथ माता कालिका की प्रतिमा भी थी। व्यापारी जहाँ जाते थे वहाँ बैलगाड़ी से उतारकर प्रतिमा को विराजमान कर देते थे। दो-चार दिन व्यापार करने के बाद कारवाँ आगे चलता था तो माता रानी की प्रतिमा को पूरी श्रद्धा के साथ पुन:-बैलगाड़ी में रखकर ले जाते थे। रानी तालाब के किनारे जब कालिका देवी की प्रतिमा को रखा गया और व्यापारी प्रस्थान के समय उन्हें बैलगाड़ी में रखने का प्रयास करने लगे तो प्रतिमा अपने स्थान से हिली भी नहीं। व्यापारियों ने कई प्रयास किए पर उनके प्रयास सफल नहीं हुए। अंत में यह मानकर कि अब देवी माता रानी तालाब के किनारे ही रहना चाहती हैं। व्यापारियों ने उन्हें वृक्ष के नीचे स्थापित कर दिया। इसी स्थान पर रीवा राजवंश के राजाओं ने मंदिर का निर्माण कराया। इस प्राचीन मंदिर में आज भी माता कालिका की प्रतिमा भक्तों को दर्शन देकर कल्याण कर रही हैं। नवरात्रि में रानी तालाब मंदिर में देवी माता की विशेष पूजा-अर्चना की जाती है।

नेपाल में संकट में फंसे रीवा वासी सुरक्षित घर पहुंचे,प्रशासन के प्रयासों से सुरक्षित घर पहुंचे नेपाल में फंसे चार रीवा वासी

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। जिले के चार तीर्थयात्री प्रदेश के अन्य तीर्थयात्रियों के साथ नेपाल में पशुपतिनाथ मंदिर के दर्शन के लिए गए थे। तीन दिन पूर्व भूस्खलन की घटना में यात्रियों का पूरा दल नेपाल में फंस गया। इसमें जबलपुर, डिण्डौरी तथा अन्य जिलों के यात्रियों के साथ रीवा के चार तीर्थयात्री शामिल थे। इनमें रीवा शहर के बेलौहन टोला निवासी एक ही परिवार के श्री देवराज पटेल, उनकी पत्नी श्रीमती श्यामकली पटेल, उनकी पुत्री लक्ष्मी पटेल तथा पुत्र यशराज पटेल शामिल थे। भारत सरकार तथा मध्यप्रदेश सरकार ने लगातार प्रयास करके नेपाल सरकार के सहयोग से इन यात्रियों को संकट से सुरक्षित निकाला। सभी यात्री मंदिर के समीप धर्मशाला में ठहराए गए। कलेक्टर श्रीमती प्रतिभा पाल ने इन यात्रियों से मोबाइल फोन पर संपर्क किया। यात्रियों को दो अक्टूबर को सड़क मार्ग से नेपाल से गोरखपुर पहुंचाया गया। नायब तहसीलदार रायपुर कर्चुलियान सुमित गुप्ता को विशेष वाहन से यात्रियों को रीवा लेकर आने के लिए भेजा गया। नायब तहसीलदार श्री गुप्ता तीन अक्टूबर को सभी यात्रियों को लेकर सुबह रीवा पहुंचे। इन यात्रियों को नगर निगम के वार्ड नम्बर 26 नमो नगर बेलौहन टोला में उनके घर पहुंचाया गया। परिजनों के बीच पहुंचकर यात्रियों ने संतोष की सांस ली। उन्होंने संकट में प्रशासन द्वारा की गई मदद और रीवा तक पहुंचाने के लिए की गई व्यवस्था के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव तथा प्रशासनिक अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

किसानों के लिए वरदान है सुपर सीडर - नरवाई का निदान और बुवाई एक साथ

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। खेती को लाभ का धंधा बनाने के लिए शासन द्वारा कई योजनाएं लागू की गई हैं। किसानों को आधुनिक तकनीक का उपयोग करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इसी कड़ी का उदाहरण सुपर सीडर है। सुपर सीडर ट्रैक्टर के साथ जुड़कर कार्य करने वाला ऐसा यंत्र है जो नरवाई की समस्या का निदान करने के साथ-साथ बुवाई भी करता है। जो किसान धान की खेती के बाद गेंहू और चने की बुवाई करते हैं उनके लिए यह अत्यंत उपयोगी है। सुपर सीडर धान अथवा अन्य किसी भी फसल के डंठल जिसे नरवाई कहा जाता है उसे आसानी से छोटे-छोटे टुकड़ों में काटकर मिट्टी मे मिला देता है। इसके उपयोग से नरवाई को जलाने की जरूरत नहीं पड़ती। इससे एक ओर पर्यावरण प्रदूषण पर नियंत्रण होता है वहीं दूसरी ओर मिट्टी के ऊपरी परत के उपयोगी जीवाणुओं के जीवन की रक्षा भी होती है। सुपर सीडर से नरवाई वाले खेत में सीधे गेंहू, चने अथवा अन्य फसल की बोनी की जा सकती है। इसके उपयोग से किसान को नरवाई की झंझट से मुक्ति मिलती है। जो नरवाई किसान के लिए समस्या है उसे सुपर सीडर खाद के रूप में बदलकर वरदान बना देता है।संभागीय कृषि अभियांत्रिकी विभाग सतना में सुपर सीडर उपलब्ध है। शासन की योजनाओं के तहत किसान को सुपर सीडर खरीदने पर 40 प्रतिशत तक छूट दी जा रही है। सुपर सीडर सामान्य तौर पर एक घण्टे में एक एकड़ क्षेत्र में नरवाई नष्ट करने के साथ बुवाई कर देता है। गेंहू के बाद जिन क्षेत्रों में मूंग की खेती की जाती है वहाँ भी सुपर सीडर बहुत उपयोगी है। हार्वेस्टर से कटाई के बाद गेंहू के शेष बचे डंठल को आसानी से मिट्टी में मिलाकर सुपर सीडर मूंग की बुवाई कर देता है। सुपर सीडर के उपयोग से जुताई का खर्च बच जाता है। नरवाई नष्ट करने, जुताई और बुवाई एक साथ हो जाने से खेती की लागत घटती है। जिन किसानों के पास ट्रैक्टर हैं उनके घर के शिक्षित युवा सुपर सीडर खरीदकर एक सीजन में एक लाख रुपए तक की कमाई कर सकते हैं। इसका लाभ लेने के लिए आवेदक आधार कार्ड, खतौनी, बैंक पासबुक, ट्रैक्टर के पंजीयन तथा पाँच हजार रुपए की धरोहर राशि के साथ एमपीऑनलाइन के कॉमन सर्विस सेंटर से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। धरोहर राशि का बैंक ड्राफ्ट सहायक कृषि यंत्री रीवा के नाम से बनवाना होगा। अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित जनजाति के किसानों को जाति प्रमाण पत्र भी उपलब्ध कराना आवश्यक होगा।

स्वच्छता ही सेवा अभियान में कमिश्नर ने किया श्रमदान

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा। स्वच्छता ही सेवा अभियान का समापन राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती 2 अक्टूबर को किया गया। अभियान के अंतिम दिन रीवा संभाग के कमिश्नर बीएस जामोद ने शिल्पी प्लाजा ए ब्लॉक परिसर में साफ-सफाई के लिए श्रमदान किया। इस अवसर पर कमिश्नर ने कहा कि स्वच्छता केवल कुछ दिनों का अभियान नहीं संस्कार है। अपने घर, परिवेश तथा कार्यालय को हर व्यक्ति साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखने का प्रयास करे। सबके सहयोग से ही रीवा शहर और पूरे संभाग को साफ-सुथरा रखने का उद्देश्य पूरा होगा। कार्यालय में अनुपयोगी वस्तुओं का शासन के निर्देशों के अनुसार निष्प्रयोजन कराएं। कार्यालय के कक्षों की नियमित साफ-सफाई अनिवार्य रूप से कराएं। कमिश्नर ने मौके पर उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजनों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कमिश्नर ने कहा कि शिल्पी प्लाजा बाजार के सभी व्यवसायी अपनी दुकानों का कचरा प्रतिदिन संग्रहित करके उसे नगर निगम की कचरा गाड़ी को सौंपे। सभी कार्यालय प्रमुख नियमित साफ-सफाई कराकर कचरे का ठीक से निपटान कराएं। कार्यालय परिसरों को गंदा करने वालों पर नगर निगम जुर्माने की कार्यवाही करे। इस अवसर पर आयुक्त नगर निगम डॉ सौरभ सोनवणे, क्षेत्रीय संचालक उच्च शिक्षा आरपी सिंह, संयुक्त संचालक शिक्षा एसके त्रिपाठी, जिला शिक्षा अधिकारी सुदामालाल गुप्ता, उप संचालक मछली पालन डॉ अंजना सिंह तथा अन्य अधिकारी, कर्मचारी और आमजन उपस्थित रहे।

लोकायुक्त संभाग रीवा की ट्रैप कार्यवाही

दैनिक पुष्पांजली टुडे

नाम आवेदक - श्री वीरेंद्र यादव ग्राम चिल्हारी तहसील मानपुर जिला उमरिया मध्य प्रदेश
आरोपी - डॉ राजेंद्र मांझी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर जिला उमरिया मध्य प्रदेश
ट्रेप रिश्वत राशि 3000 रुपए
घटना स्थल - आरोपी का कार्यालय कक्ष सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मानपुर जिला उमरिया
कार्य का विवरण- आरोपी डॉ राजेंद्र मांझी ने शिकायतकर्ता से उसके भतीजे बली यादव की पीएम रिपोर्ट बनाने के लिए ड़10000 की रिश्वत मांगी थी , इस बात का सत्यापन लोकायुक्त संभाग रीवा के पुलिस अधीक्षक श्री गोपाल सिंह धाकड़ द्वारा कराया गया तो वास्तविकता में आरोपी डॉक्टर मांझी ने शिकायतकर्ता से सत्यापन के दौरान डरा धमका कर ड़3000 ले लिए और ड़3000 और देने के लिए कहा था आज दिनांक 3.10.2024 को पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में टीम गठित कर आरोपी डॉक्टर राजेंद्र मांझी को शिकायतकर्ता से ड़3000 रुपए रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ ट्रैप किया गया है
ट्रेपकर्ता अधिकारी श्री प्रमेंद्र कुमार , उप पुलिस अधीक्षक
ट्रेप दल के सदस्य - श्री प्रमेंद्र कुमार उप पुलिस अधीक्षक , उप अधीक्षक श्री राजेश खेड़े सहित 12 सदस्यीय टीम द्वारा कार्रवाही की जा रही है

नवरात्रि त्योहार के मद्देनजर थाना कोतवाली में शांति समिति की बैठक संपन्न

दैनिक पुष्पांजली टुडे

रीवा।आगामी नवरात्रि त्योहार को लेकर थाना कोतवाली में एक महत्वपूर्ण शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में थाना क्षेत्र में दुर्गा प्रतिमाओं के आयोजकों को आमंत्रित किया गया। थाना प्रभारी जे.पी. पटेल ने कहा कि इस नवरात्रि को मिलजुलकर भाईचारे और सौहार्दपूर्ण तरीके से मनाने का संकल्प लिया गया है। सभी धर्मों और संप्रदायों की भावनाओं का सम्मान करते हुए, एकता की भावना से त्योहार मनाने पर सभी सहमत हुए।बैठक में आयोजकों को कुछ आवश्यक निर्देश भी दिए गए। आयोजन में डी.जे का प्रयोग वर्जित रहेगा, जबकि दो छोटे साउंड बॉक्स का उपयोग रात 10:00 बजे के पहले किया जा सकेगा। प्रत्येक पंडाल में समिति के वालंटियर 24 घंटे मौजूद रहेंगे, जो प्रतिमाओं की देखरेख एवं सुरक्षा सुनिश्चित करेंगे, ताकि कोई अप्रिय स्थिति उत्पन्न न हो सके।इसके अलावा, आयोजकों को यह भी सलाह दी गई कि आतिशबाजी, त्रिशूल आदि का प्रयोग न करें। चल समारोह के दौरान विसर्जन निश्चित रूट से ही किया जाएगा, और चितुरिया तथा करहिया घाटों पर विसर्जन की व्यवस्था की जाएगी। आयोजकों से यह भी अपेक्षा की गई क

नवदुर्गा मंदिर उज्जैन में आदिशक्ति की आराधना

दैनिक पुष्पाजंली टुडे

उज्जैन- आदि शक्ति मां दुर्गा की उपासना के पावन महापर्व शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर अखिल भारतीय सीरवी समाज नवदुर्गा योगमाया मंदिर में उज्जैन ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष रामलाल सैणचा गांधीधाम, वर्तमान अध्यक्ष भगवान चौहान पेटलावद ने उज्जैन मंदिर में पूजा कर पूरे भारतवर्ष सीरवी समाज की मंगल कामना की। पंडित जितेंद्र महाराज ने मंत्रोच्चारण कर पूजा सपन्न करवायी। इस अवसर पर दिनेशजी भायल दिनेशजी गेहलोत उज्जैन हरिराम सिन्दडा राजगढ, गब्बू बर्फा सोबल्यापुरा, गोपाल सोलंकी रूपगढ़ ने आभार व्यक्त किया।

नवरात्रि पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

महेंद्र शर्मा पुष्पांजलि टुडे

ग्वालियर । शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा का आशीर्वाद सम्पूर्ण प्रदेशवासियों पर बना रहे। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी मां के पूजन से प्रदेशवासियों को धन, सुख, समृद्धि, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य का वरदान मिले।

नवरात्रि का प्रथम दिवस पर नौ देवियों की चैतन्य झांकी का दरबार सजाया गया

दैनिक पुष्पांजली टुडे
संवाददाता मालनपुर

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर ग्वालियर महाराजपुरा जिसने सभी भक्तों का मन मोह लिया द्य बीके ज्योति बहन गोल्डन वर्ल्ड रिट्रीट सेंटर की संचालिका ने अपने उद्बोधन में कहा है कि हम दूर-दूर तक पहाड़ों पर जाते हैं देवियों के दर्शन करने द्य यहां पर साक्षात देवियों का दरबार सजाया गया है, जिसमें चैतन्य देवियों में दुर्गा देवी, सरस्वती देवी, वैष्णो देवी, लक्ष्मी देवी, गंगा देवी, गायत्री देवी, मीनाक्षी देवी, उमा देवी, संतोषीदेवी, वेष्णो देवी ये सभी देवी शक्ति आज आप सबकी मनोकामनाएं अवश्य ही पूरी करेंगी द्य आप सभी चैतन्य देवियों से आशीर्वाद अवश्य ही प्राप्त करे द्य पोरसा सेवा केंद्र संचालिका बीके रेखा बहन ने चैतन्य देवियों के जयकारे लगाएं द्य जिससे पूरा गोल्डन वर्ल्ड सेंटर गूंज उठा द्य साथ में यह भी कहा है कि हम सभी को नौ देवियों से 9 दिन एक-एक गुण को अपने जीवन में धारण करना है और इन शक्तियों को अपने अंदर धारण कर अनेक मनुष्य आत्माओं तक शक्तियों को, शुभकामनाओं के रूप में चारों तरफ पहुंचना है ताकि विश्व में शांति हो जाए द्य गोले के मंदिर से पहुंचे कृष्णा नगर से बीके महेश ने सभी का आभार व्यक्त किया द्य मुख्य रूप से उपस्थित रहे गोदावरी कंपनी से मैनेजर फिरोज खान, यदुनाथ सिंह कर्नल, कृष्णा गुप्ता, बीके अर्चना, बीके महेश, बीके राम प्रसाद, बीके नंदराम आदि उपस्थित रहे द्य

अतिवृष्टि से खराब हुई सोयाबीन की फसलः किसान परेशान, 80 हजार हेक्टेयर पर असर, सीएम से मिला आश्वासन

प्रदेश में सोयाबीन का समर्थन मूल्य 6000 रुपए तय किए जाने के बावजूद अतिवृष्टि से खराब हुई फसल पर किसी का ध्यान नहीं है। जिले में लगातार हो रही बारिश से सोयाबीन की फसल खरपतवार में घिर गई है और पत्ते सड़कर गल रहे हैं।कई किसानों ने फसल काटने की कोशिश की लेकिन बारिश फिर से शुरू हो गई, जिससे खेत में पड़ी फसल खराब हो गई है।है कि अतिवृष्टि से हुए नुकसान पर कोई सुनवाई नहीं हो रही है। कलेक्टर कर्मवीर शर्मा ने नुकसान का आकलन करने के निर्देश दिए हैं लेकिन फील्ड में अभी तक कोई अधिकारी नहीं पहुंचा है।इससे किसानों में काफी नाराजगी है। भारतीय किसान संघ का प्रतिनिधिमंडल मुख्यमंत्री से मिला, लेकिन उनके आश्वासन का कोई असर

दिखाई नहीं दे रहा है।
भारतीय किसान संघ के संभागीय अध्यक्ष श्यामसिंह पवार ने बताया कि कई जगहों पर सोयाबीन अंकुरित हो गई है तो कुछ जगहों पर पूरी तरह सड़ गई है। उन्होंने कहा कि अभी तक न तो नुकसान का आकलन किया गया है और न ही फसल बीमा का लाभ मिल रहा है, जिससे किसान बहुत परेशान हैं।खरगोन जिले में करीब 80 हजार हेक्टेयर में सोयाबीन की बुवाई हुई थी, लेकिन लगातार बारिश से फसल खरपतवार और पानी में डूब गई है। 25व रकबे में फसल प्रभावित होने का अनुमान है। भीकनगांव, झिरनिया, भगवानपुरा, बड़वाह और सनावद क्षेत्रों में फसल की स्थिति सबसे अधिक खराब बताई जा रही है।

पलक सिधवानी

के आरोपों के बीच जेनिफर मिस्त्री ने TMKOC को बताया जेल

पॉपुलर टीवी शो तारक मेहता का उल्टा चश्मा इन दिनों सोशल मीडिया और गूगल ट्रेंड बना हुआ है. इसकी वजह है शो में सोनू भिड़े का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस पलक सिधवानी. हाल ही में एक्ट्रेस शो से अलग हो गईं और उन्होंने तारक मेहता का उल्टा चश्मा की प्रोडक्शन टीम पर कई गंभीर आरोप लगाए थे. अब इस शो में श्रीमती रोशन सिंह सोढ़ी का किरदार निभाने वाली एक्ट्रेस जेनिफर मिस्त्री बंसीवाल, पलक के सपोर्ट में आई हैं.निफर मिस्त्री पिछले साल इस शो को लेकर काफी चर्चा में रही थी. उन्होंने इसके मेकर्स के खिलाफ शिकायत भी दर्ज कराई थी. जेनिफर ने पलक का सपोर्ट करते हुए मेकर्स की टीम पर कलाकारों के साथ दुर्व्यवहार करने का आरोप लगाया है. इसके अलावा, टॉक्सिक एनवायरमेंट और शो से बाहर निकलने पर फीस न देने की बात भी कही है.

पलक सिधवानी ने लगाए थे ये आरोप

पलक सिधवानी ने तारक मेहता का उल्टा चश्मा के मेकर्स पर मानसिक रूप से परेशान करने और कॉन्ट्रैक्ट तोड़ने को लेकर गलत कानूनी नोटिस भेजने का आरोप लगाया था. इसके अलावा, उन्होंने कॉमेडी शो के मेकर्स पर 21 लाख रुपये की बची पेमेंट नहीं करने का भी आरोप लगाया. एक्ट्रेस ने खुलासा किया कि ये तब से हो रहा है जब से उन्होंने शो छोड़ने का फैसला किया है. उन्होंने ये भी आरोप लगाया कि तबीयत खराब होने के बावजूद मेकर्स ने उन्हें शो की शूटिंग करने के लिए बुलाया था.

जेनिफर मिस्त्री ने लगाए ये आरोप

जेनिफर ने मेकर्स के साथ चल रहे विवाद के बीच पलक का सपोर्ट किया. टाइम्स नाउ से बात करते हुए जेनिफर मिस्त्री ने कहा, पलक के साथ जो कुछ भी हो रहा है, वो पहले भी कई कलाकारों के साथ हुआ है जब उन्होंने शो छोड़ने का फैसला किया. शो की प्रोडक्शन टीम हमेशा उन लोगों के लिए मुश्किलें खड़ी करती है, जो शो छोड़ना चाहते हैं.

सबके सामने आ गई सच्चाई

जेनिफर ने आगे कहा, सच में, वो अक्सर ऐसा ड्रामा करते हैं. वो लोगों को कभी भी खुशी से जाने नहीं देते हैं. राज अनादकट, शैलेश लोढ़ा और गुरुचरण सिंह जैसे कई कलाकार हैं, जो शो छोड़ते समय इन चीजों को फेस कर चुके हैं. पलक इस सिचुएशन को काफी अच्छी तरह से संभाल लेगी और सभी को प्रोडक्शन हाउस की असलियत पता चल जाएगी और वो अपने कलाकारों को कैसे परेशान करते हैं. तारक मेहता का उल्टा चश्मा का प्रोडक्शन हाउस आर्टिस्टों के लिए एक जेल की तरह है.

अमिताभ बच्चन

के जन्मदिन को खास बनाएंगे आमिर खान, बेटे के साथ सीधे पहुंचे केबीसी

सोनी टीवी के क्विज रियलिटी शो 'कौन बनेगा करोड़पति' के मंच पर हर साल अमिताभ बच्चन का जन्मदिन एक शानदार जश्न की तरह मनाया जाता है. वैसे तो बिग बी का जन्मदिन 10 दिन के बाद है. लेकिन कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर उनके जन्मदिन स्पेशल एपिसोड की शूटिंग पूरी हो चुकी है. अमिताभ बच्चन के जन्मदिन को खास बनाने के लिए आमिर खान केबीसी के मंच पर हुए इस ग्रैंड जश्न में शामिल हुए हैं. इस खास मौके पर आमिर खान के साथ उनके बेटे जुनैद भी मौजूद थे.सोनी टीवी ने अपने ऑफिशियल हैंडल पर आमिर खान की एक वीडियो शेयर की है. इस वीडियो में आमिर और जुनैद दोनों वैनिटी वैन से नीचे उतरकर केबीसी के सेट की तरफ जाते हुए नजर आ रहे हैं. इस वीडियो में आमिर ये कह रहे हैं कि वो अमित जी को सरप्राइज देने आए हैं और इस बात का अमित जी को बिलकुल भी पता नहीं चलना चाहिए कि वो और जुनैद आज उनके शो में शामिल होने आ रहे हैं. इस वीडियो में आमिर ने सभी से ये अपील भी की है कि वो ये बात किसी को न बताएं.

जानें कब ऑन एयर होगा एपिसोड

अमिताभ बच्चन के जन्मदिन पर टेलीकास्ट होने वाले एपिसोड को सोनी की तरफ से एक खास नाम दिया गया है. इस एपिसोड को 'महानायक का जन्मोत्सव' कहा गया है. 'महानायक का जन्मोत्सव' के प्रोमो के कैप्शन में मेकर्स ने वादा किया है कि इस दिन शो में काफी खास बातें दर्शकों को देखने को मिलने वाली हैं. आमिर खान, जुनैद खान के साथ अमिताभ बच्चन का ये स्पेशल एपिसोड शुक्रवार, 11 अक्टूबर 2024 को सोनी टीवी पर टेलीकास्ट किया जाएगा और फैन्स इसे सोनी लिव ऐप पर लाइव या शो ऑन एयर होने के बाद भी देख सकते हैं.

परिवार के साथ मनाया था पिछले साल का जन्मदिन

कौन बनेगा करोड़पति के मंच पर अक्सर अमिताभ बच्चन उनका जन्मदिन परिवार के साथ मनाना पसंद करते हैं. कभी जया बच्चन और अभिषेक बच्चन तो कभी जया बच्चन, बेटी श्वेता बच्चन और नातिन नव्या नवेली नंदा के साथ अमिताभ बच्चन केबीसी के मंच पर अपना जन्मदिन मनाते आए हैं. इस दौरान कई बार बिग बी को भावुक होते हुए भी देखा गया है. लेकिन इस साल चैनल इस बात का पूरा ख्याल रखने जा रहा है कि उनके इस पसंदीदा होस्ट का जन्मदिन आंसुओं के साथ नहीं, बल्कि हंसी के साथ मनाया जाए और यही वजह है कि कौन बनेगा करोड़पति में आमिर और जुनैद खान को बतौर मेहमान आमंत्रित किया गया है. अमिताभ बच्चन का जन्मदिन मनाने के साथ-साथ आमिर और जुनैद हॉटसीट पर बैठकर केबीसी का खेल भी खेलेंगे और इस शो से जीती हुई रकम वो चैरिटी को डोनेट करेंगे.

सलमान खान के लिए रितेश देशमुख के शो की चढ़ गई बलि, 70 दिन में खत्म हुआ शो

सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस फिर एक बार सीजन 18 के साथ कलर्स टीवी पर एंट्री करने जा रहा है. लगभग एक साल बाद सलमान खान को मिलने के लिए उनके फैन्स बेहद एक्साइटेड हैं. सिर्फ कलर्स टीवी ही नहीं बल्कि बिग बॉस हिंदी के प्रोड्यूसर बनिजय एशिया और एंडेमोल शाइन ने भी सलमान खान के इस शो को हिट बनाने के लिए अपनी कमर कस ली है. सलमान की टीआरपी चार्ट पर स्वैग के साथ एंट्री हो और उनके सामने किसी भी रियलिटी शो का कम्पटीशन न हो, इसलिए शो के प्रोड्यूसर ने अपना ही सुपरहिट शो समय से पहले ऑफ एयर करने का फैसला लिया है.दरअसल बिग बॉस शुरू होने से 70 दिन पहले कलर्स मराठी पर रितेश देशमुख का बिग बॉस ऑन एयर हुआ था. बॉलीवुड के ये मशहूर एक्टर पहली बार बिग बॉस मराठी का सीजन 5 होस्ट कर रहे थे. रितेश देशमुख के इस डेब्यू रियलिटी शो को दर्शकों का खूब प्यार मिला. फिलहाल इस शो की टीआरपी 4.5 है. यानी रेटिंग के मामले में हिंदी टीवी के नंबर वन शो अनुपमा से भी ये शो फिलहाल बहुत आगे है. रुपाली गांगुली के अनुपमा की रेटिंग 2.5 है. यानी सलमान के शो को अनुपमा नहीं बल्कि रितेश देशमुख के शो से ही सबसे बड़ा खतरा था और इसलिए मेकर्स ने रितेश देशमुख का बिग बॉस ऑफ एयर करने का फैसला लिया है.

70 दिन में कर दिया रितेश के शो का पैक अप

आमतौर पर बिग बॉस का फॉर्मेट 100 दिनों का होता है और अगर टीआरपी चार्ट पर अच्छी रेटिंग हासिल हुई तो इस शो का समय और बढ़ाया जाता है. लेकिन शानदार रेटिंग बटोरने के बावजूद सलमान खान के शो के लिए रितेश देशमुख के शो का 70 दिन में पैक अप कर दिया गया है. मेकर्स के इस फैसले से मराठी ऑडियंस काफी नाराज हैं. लेकिन सलमान के शो को लेकर मेकर्स कोई भी रिस्क नहीं लेना चाहते हैं. टीवी9 हिंदी डिजिटल को सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक मराठी ऑडियंस जिस तरह से हिंदी बिग बॉस देखती है, वैसे हिंदी ऑडियंस भी मराठी शो देख रही है. अभिजीत सावंत, निक्की तंबोली और अरबाज पटेल जैसे कई हिंदी इंडस्ट्री के चेहरे बिग बॉस मराठी के लेटेस्ट सीजन का हिस्सा हैं और इसलिए मेकर्स ने ये शो जल्द ऑफ एयर करने का फैसला लिया, हालांकि मेकर्स की तरफ से कहा गया कि वो टी20 की तरह शो को दिलचस्प बनाने के लिए इस शो को जल्दी ऑफ एयर कर रहे हैं.

सलमान खान के शो में एंट्री कर रही हैं उर्मिला मातोंडकर, 25 साल पहले साथ में की थी फिल्म

उर्मिला मातोंडकर न सिर्फ बॉलीवुड की एक सफल एक्ट्रेस हैं बल्कि वो एक पॉलिटिशियन भी हैं. इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ की वजह से उर्मिला फिर एक बार लाइमलाइट में आ गई हैं. दरअसल कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि शादी के 8 साल बाद उर्मिला मातोंडकर अपने पति मोहसिन अख्तर से तलाक लेने जा रही हैं और साथ में इन खबरों में ये भी लिखा गया है कि उर्मिला और मोहसिन का तलाक आपसी सहमति से नहीं हो रहा है. जब किसी सेलिब्रिटी के साथ कोई विवाद जुड़ जाता था, तब अक्सर उनके साथी उनसे दूरियां बनाते हैं. लेकिन बिग बॉस को हमेशा ऐसे ही सेलिब्रिटीज की तलाश होती है.अब सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक उर्मिला मातोंडकर से जुड़ी तलाक की खबर वायरल होने के बाद उन्हें सलमान खान के शो में शामिल होने का ऑफर दिया गया है, 25 साल पहले उर्मिला, सलमान खान के साथ एक फिल्म भी कर चुकी हैं. इन दोनों ने 'जानम समझा करो' में एक साथ काम किया था. अब सलमान की ये को-स्टार उनके शो में बतौर कंटेस्टेंट शामिल हो सकती हैं. हालांकि कई रियलिटी शो को जज कर चुकीं उर्मिला ने अब तक बिग बॉस 18 में शामिल होने के लिए हां नहीं की है.

10 साल छोटे मोहसिन ने रचाई थी शादी

उर्मिला ने उनसे उम्र में 10 साल छोटे मोहसिन अख्तर से शादी की थी. कहा जा रहा है कि बच्चा न होने की वजह से इन दोनों का तलाक होने जा रहा है. हालांकि इस बात को लेकर न तो उर्मिला ने कोई पुष्टि की है, न ही उनके पति मोहसिन ने इस बात पर कुछ कहा है.

इससे पहले भी कई रियलिटी शो कर चुकी हैं उर्मिला

रियलिटी शो के साथ उर्मिला मातोंडकर का रिश्ता काफी पुराना है. उन्होंने झलक दिखला जा सीजन 2 से लेकर चक धूम धूम, डांस महाराष्ट्र डांस, डीआईडी सुपरमॉम जैसे कई रियलिटी शो जज किए हैं. लेकिन अब तक बॉलीवुड की ये मशहूर एक्ट्रेस किसी भी रियलिटी शो में बतौर कंटेस्टेंट शामिल नहीं हुई है, जाहिर सी बात है उर्मिला मातोंडकर जैसी बड़ी पर्सनालिटी को बिग बॉस में शामिल होने के लिए मनाना मेकर्स के लिए आसान नहीं होगा. लेकिन पूजा भट्ट के बाद अब बिग बॉस के मेकर्स को उम्मीद है कि फिल्म इंडस्ट्री के बड़े चेहरे भी फिर एक बार उनके शो में शामिल होने के लिए राजी हो जाएंगे. अब क्या उर्मिला मातोंडकर सलमान के शो में शामिल होने के लिए हां कहती हैं या फिर बिग बॉस का ऑफर वो रिजेक्ट करती हैं, ये देखना दिलचस्प होगा.

समेटते रहें खुशियां

पुरानी सहेलियों, दोस्तों से मिलने का मौका न गंवाए। इंटरनेट ने उनसे संपर्क कर पाना सुलभ कर दिया है। उनके साथ पुराने दिनों की मीठी यादें ताजा कर आप तरोताजा हो जाएंगी

तनाव भरी जिंदगी! यही है आज का कड़वा सच। कैसे बहार आएं ऐसी जिंदगी से, ताकि तनाव छूमंतर हो जाए? समाज के डर से डरा-धमका कर, समझा कर अपने भीतर के बच्चे को आपने खामोश कर दिया है। अपना बड़प्पन जताने, अपनी इमेज के कैदी जो बन गए हैं आप। क्या ऐसे ही गुजार देंगे जिंदगी बगैर सच्चा लुत्फ उठाए? हमेशा न सही मगर प्रतिदिन कुछ समय के लिये तो अपने आप से रूबरू हो ही सकते हैं, खुश रहने के फामरूले आजमा सकते हैं

-रोज एक ही डाइनिंग टेबल पर बैठकर उसी अंदाज में खाते अक्सर बोरियत होने लगती है। क्यों न जगह बदल कर खाया जाये? कभी पतिदेव को भी सेवा का मैका दें ताकि वे भी आपको खाना परोस सकें। अगर वे वास्तव में आपसे प्यार करते हैं, आपकी केयर करते हैं तो जरूर कुछ मदद जो वे कर सकते हैं, करके दिखायेंगे।

-टीवी से आज लोगों को फुर्सत नहीं। चिपक कर बैठ गए तो सारी दुनिया भुला बैठेंगे मगर वे यह नहीं जानते कि यह दिमाग के लिए स्लो पॉयजन है। रेडियो सुनना इसका बेहतर विकल्प है।

-जिम के बजाय नृत्य से बेहतर वर्क आउट हो सकता है? इसके लिए आपको न पैसे खर्च ने होंगे, न जिम आने-जाने की जहमत उठानी होगी। नृत्य से आत्मिक शांति मिलती है और खुशियां भी हजार।

-घर की सेटिंग में बदलाव भी मन प्रफुल्लित करता है। सुंदर तस्वीरें, सजावटी सामान से घर को संवार दें। जरूरी नहीं है कि ये सब महंगे ही हों। बस, टेस्ट अच्छा होना चाहिए। टीवी बेडरूम में रखना ठीक नहीं, इसे लॉबी या ड्राइंग-रूम में ही रखना उचित है। बेडरूम में आराम जरूर लगता है, लेकिन उससे गलत आदतें बन जाएंगी।

-अतीत में विचरना बुरा नहीं, लेकिन बस थोड़ी देर की सैर ही उचित होगी। आप उन्हीं रास्तों-कोनों से जुड़ी उन घटनाओं को याद करें, जिनसे आपको खुशी मिले। कुछ सुहाने यादगार पल जो दोबारा आपको खुशी दें, उन्हीं की जुगाली करें।

-आपके घर की खिड़की पर झांकता कोई फूलों का गुच्छा, लॉन में बिछी हरी घास, उड़ता हुआ कोई चहचहाता पंछी, आसमान में तैरते रुई के फाहे से बादल, सुबह उगता सूरज, शाम को सूर्यास्त का नजारा, रात को अपनी चांदनी बिखेरता आसमान में खिला चांद, कुछ देर निहारिए तो सही। डूब जाइए उनकी खूबसूरती में, भुला दें दुनिया के सारे रंजोगम। सच, प्रकृति के पास आपको खुश करने के लिए अनगिनत सौगातें हैं।

-मित्र और रिश्तेदार आपको ऊर्जा देते हैं। उनसे अच्छे संबंध बनाकर रखें, जिनसे मन न मिलता हो और जिनके साथ इंट्रैक्ट कर आप डिप्रेस या टेंस फील करती हों, उनसे दूरी बनाने में ही भलाई है।

-पढ़ने का शौक अच्छा है। अच्छा टाइमपास भी है। यह आपकी ग्रोथ में मदद करता है। पढ़कर ही दुनिया में क्या हो रहा है, पता चलता है। दुनिया भर के लोगों के कल्चर को जानकर सोच को विस्तार मिलता है। यह आपको भी तरह से समृद्ध करता है।

- जहां तक संभव हो टिपटॉप रहने की कोशिश करें। अच्छे दिखेंगे, तभी अच्छा फील करेंगे। जो मन आए वही पहनें। आप बेहतर जानती हैं कि आपको क्या सूट करता है।

-अपनी कल्पनाशक्ति टी.वी. के आगे बैठकर नष्ट न कर लें। कल्पना के सुनहरे पंखों पर जब जी चाहे उड़ान भरें। यह समय की बर्बादी कतई नहीं होगी, उस उड़ान लंबी और देर तक न ली जाए यह ध्यान रहे, क्योंकि तब वाकई समय की बर्बादी होगी। खाने में नये-नये प्रयोग करें, एक-सा खाते रहने की ऊब से छुटकारा मिलेगा।

-अंत में एक शेर के मुताबिक, दिल बहलाने को कहीं और न जाकर घर की चीजों को ही सजाया जाए। इसका भी अपना मजा है। - प्रकीर्तिमा

भरपूर नींद मधूमेह से दिलाएगी छुटकारा

अक्सर यह देखने में आता है महिलाएं घर और अपने दफ्तर के काम-काज में इतना परेशान हो जाती है कि उन्हें भरपूर नीद लेने का समय ही नही मिलता जिससे वह कई प्रकार की गंभीर बीमारियों से घिर जाती हैं। जिसमें से एक मधूमेह।मधूमेह से बचने के लिए जरूरी है भरपूर नीद।आइए जानते हैं। चार-पांच घंटे की नीद के बजाए पर्याप्त नीद लेना शुरू करें ताकि आप हमेशा स्वस्थ रहे। नीद की कमी के कारण आपके शरीर में कई समस्याएं होने लगती है। इसी के चलते आगे चलकर शरीर में मौजूद ब्लड शुगर का स्तर गड़बड़ा सकता है। नतीजतन मधूमेह से पीड़ित होने का खतरा बढ़ जाता है। हाल ही में किए गए एक अमेरिकी शोध में अध्ययनकर्ताओं ने यह रिपोर्ट पेश की।शोध में कहा गया कि हमने आठ साल तक १००० लोगों पर अध्ययन किया। अध्ययन में शामिल लोग रोज अपनी दिनचर्या का रिकार्ड कंप्यूटर में दर्ज करते थे। माह के अंत में इन रिकार्डो का वैज्ञानिक अध्ययन करते थे।

अध्ययन से पता चला कि जो लोग प्रतिदिन छह घंटे से कम नीद ले रहे थे, उनके शरीर में ब्लड शुगर का लेवल सही नही था। इसके विपरीत जो लोग प्रतिदिन छह या सात घंटे की नीद ले रहे थे, उनके शरीर में ब्लड शुगर का संतुलन सही था।अध्ययनकर्ताओं का कहना है कि जब हम सोते हैं तो शरीर एक प्रकार से अपनी मरम्मत कर रहा होता है। यदि शरीर को अपनी मरम्मत करने का पूरा समय नही मिलेगा तो जाहिर है कि हमें विभिन्न प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। इसका असर ब्लड शुगर पर भी पड़ता है। डॉ. लिसा का कहना है कि अब हम इस बात की जांच कर रहे हैं कि क्या अधिक सोने पर भी ब्लड शुगर का स्तर गड़बड़ा जाता है या यह सामान्य रहता है। इस अध्ययन के निष्कर्ष हमें बताएंगे की ब्लड शुगर को और किस तरह नियंत्रित किया जा सकता है।

हॉस्टल

जब बच्चा पहली बार आपसे दूर जाता है तो एक कसक और दर्द तो होता ही है, लेकिन बेस्ट एजुकेशन के लिए यह सही है। परिवार और अपनों से दूर अजनबी शहर के हॉस्टल में लड़के-लड़कियों को स्वतंत्र रूप से विकसित होने और वक्त के हिसाब से ढलने का पूरा अवसर मिलता है। लेकिन हॉस्टल भेजने से पहले कुछ सावधानियों के बारे में यदि हम अपने बच्चों को बतायें तो वो किसी भी मुश्किल में पड़ने से बच जाएंगे

भेजने से पहले रखें कुछ बातों का ख्याल

क्या समस्यायें होती हैं हॉस्टल में

-घर से दूर हॉस्टल में शुरू-शुरू में कई समस्याओं का सामना करना पड़ता है जैसे हॉस्टल में सामान चोरी होने की सबसे ज्यादा संभावना होती है।

-घर से दूर बच्चों को एकाकीपन सताने लगता है जिसे दूर करने के लिए वे अक्सर सिगरेट, शराब ड्रग्स व नशे की लत में पड़ जाते हैं।

-अकेले होने पर कोई गलत दोस्त या सहेली हमदर्द बनकर फायदा उठाने की फिराक में रहते हैं। इसलिए समय-समय पर बच्चों को फोन करके ऐसे दोस्तों से दूर रहने की हिदायत देते रहें।

-बच्चे को बतायें कि हॉस्टल और घर के माहौल में काफी अंतर होता है। इसलिए हॉस्टल में उसे काफी सतर्क रहना होता है। जैसे अपना कमरा ठीक से लॉक करना, पैसे खुले न रखना, सामान पर पूरा ध्यान देना और किसी भी पर भी ज्यादा भरोसा न करना।

-घर से दूर होने पर बच्चों को शुरुआत में होम सिकनेस ज्यादा प्रभावित करती है, इसलिए उस शहर में रहने वाले अपने मित्र या रिश्तेदार को ढूंढें जो बच्चे के स्थानीय अभिभावक की अहम भूमिका निभा सके।

-बच्चों से बराबर बातचीत बनायें रखें। फोन और नेट के द्वारा बच्चों से टच में रहें। बर्थ डे या अन्य खास अवसरों पर जरूर जायें और हमेशा उन्हें प्रोत्साहित करते रहें।

-आजकल युवा पैसे की कीमत हो पहचानते हैं। फिर भी उन्हें ए.टी.एम. से पैसा निकलाना, बैंक में पैसे कैसे जमा करना- इसकी उन्हें पूरी जानकारी अवश्य दें। साथ ही किफायत से पैसा खर्च करना और हिसाब रखना भी सिखायें।

-आज के बदलते परिवेश में अमूमन कॉलेज में को-एजुकेशन होती है। ऐसे में एक दूसरे के प्रति आकर्षण होना संभव है, इसलिए अपने युवा बच्चों को यह आगाह करें कि वे घर से इतनी दूर शिक्षा अर्जित करने के लक्ष्य हो लेकर आये हैं। उन्हें अपना भविष्य बनाना है। क्रश के चक्कर में पड़कर अपना भविष्य बर्बाद न करें।

-साथ ही अपने हॉस्टल जाने वाले बच्चों को इस बात से सतर्क करें कि हॉस्टल में कोई गलत हरकत देखें तो तुरंत स्थानीय अभिभावक के साथ मिलकर पुलिस थाने में शिकायत करें।

-अगर आप इन बातों पर गौर करें तो हॉस्टल भेजने से पूर्व हॉस्टल संबंधी जो हौवा अपको सता रहा है वह वक्त के साथ काफूर हो जायेगा। -अभ्यर्थना

क्यों बढ़ रहा है हॉस्टल का चलन

एजुकेशन और जॉब के महत्व को समझते हुए माता-पिता अपने बच्चों को घर से दूर अनजाने शहर में भेजने के लिए विवश होते हैं। ऐसे में हॉस्टल अनजाने शहर में लड़के-लड़कियों को ऐसी छतछाया देता है जहां उन्हें अपने सपनों के पंख पसारने के लिए पूरी स्वतंत्रता

वेलनेस

त्वचा के दाग-धब्बों के लिए होममेड ट्रीटमेंट

त्वचा पर खासतौर से चेहरे पर भद्दे दाग और पिग्मेंटेड निशान कोई नहीं चाहता। चिकनी और साफ त्वचा पाने के लिए हम बाजार में उपलब्ध विभिन्न क्रीम और जेल पर काफी पैसा खर्च करते है। लेकिन उन साधारण और छोटी-छोटी चीजों को भूल जाते हैं जो हमारी किचन गार्डन में उपलब्ध होती हैं, जो हमें न केवल एवने और धब्बों से निजात दिलाते हैं बल्कि त्वचा की चमक भी वापस लाते हैं। इसलिए अगर आपके चेहरे पर एक भी दाग है जो आपको परेशान करता है, तो दिये गये आसान होममेड ट्रीटमेंट से भद्दे दाग-धब्बों से निजात पा सकती हैं-

भद्दे दाग-धब्बों को हल्का करता है नींबू का रस

कभी-कभी दाग जब ठीक होने वाले होते हैं तब वे त्वचा के अन्य हिस्सों से ज्यादा गहरे नजर आने लगते हैं। यहां तक कि अगर ये उभर न भी रहे हों तब भी गहरे रंग का धब्बा नजर आने लगता है। इसमें नींबू का रस लगाएं।

नींबू का रस लगाने के बाद इसे पंद्रह मिनट तक छोड़ दें। इसके बाद सादे पानी से धो लें। इस प्रक्रिया को दिन में दो से तीन बार दोहरायें, आपको वो परिणाम मिलेंगे, जो आप चाहती हैं।

खरोंच और कटे में लाभकारी है ऐलो वेरा का जूस

अगर आपके घर में ऐलो वेरा का पौधा है, तो इसका मतलब छोटे-मोटे कटे और खरोंच के लिए आपके पास ''इंस्टेंट फर्स्ट ऐड'' का स्रेत है। बस, इसके ऐलो वेरा के पत्तों को तोड़ें और चिपचिपे जूस को सीधे घाव पर लगायें। घाव को ठीक करने के साथ ही ऐलो वेरा में त्वचा के दाग धब्बों को हल्का करने के गुण भी पाये जाते हैं। जब तक आपको परिणाम न मिलें तब तक दिन में दो से तीन बार ऐलो वेरा का ताजा जूस धब्बों पर लगाएं।

रिलैक्स करता है लेवेंडर ऑयल

अत्यधिक थकान और बेचैनी में शुद्ध लैवेंडर ऑयल काफी असरकारक साबित होता है। यह आराम और शांति पहुंचाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि इस मीठी सुगंध से भरपूर तेल में आपके अनचाहे धब्बों को दूर करने के गुण मौजूद हैं? यह सच हैं। सामान्य रूप से लेवेंडर ऑयल को प्रभावित स्थान पर दिन में दो-तीन बार लगायें। तेल को धीरे-धीरे त्वचा पर मलें।

जादुई असर वाला कोको बटर

दाग-धब्बों को कम करने का एक और होममेड ट्रीटमेंट है कोको बटर का इस्तेमाल। कोई भी लोशन ऐसा नहीं होता जिसमें थोड़ा सा कोको बटर का इस्तेमाल न किया गया हो लेकिन एक वास्तविक उत्पाद जादू कर सकता है। बस केवल आपको इस पुष्टिकर औषधि को धीरे-धीरे त्वचा के धब्बों पर दिन में दो-तीन बार मलना होगा।

वेलनेस टिप

एंटी-एजिंग, डी-टैन और क्लियर स्किन के लिए कोको बटर और हनी क्रीम पैक- यह काफी सामान्य लेकिन असरकारी क्रीम है। एक टेबलस्पून कोको बटर को आधा टेबलस्पून डार्क ऑर्गेनिक शहद के साथ मिलाएं।

इसमें दो-दो बूंद तिल और एप्रीकॉट ऑयल की डालें। इसे अच्छी तरह मिलाकर गाढ़े क्रीम का टेक्चर तैयार करें। इस क्रीम को चेहरे पर लगायें और तीन मिनट के लिए छोड़ दें। फिर हल्के गुनगुने पानी से चेहरा धो लें। आपकी त्वचा नर्म और खूबसूरत दिखेगी।

- खुशबू जैन

सुंदर तथा स्लिम काया पाने के लिए अपनाएं ये उपाय

महिलाओं में अक्सर यह देखने को मिलता है कि वह खाद्य पदार्थ का सेवन तो काफी कम करती हैं लेकिन शरीर में मोटापा बढ़ता ही रहता है। मोटापा शरीर की बनावट ही नही बिगाड़ता बल्कि चेहरे की सुंदरता को भी कम कर देता है।यही नही, मोटापा सुडौलता को नष्ट करने के साथ-साथ कई गंभीर बीमारियों की वजह भी बनता है। किसी ने खूब ही कहा है की मोटापा और सुंदरता कभी भी एक साथ नही रहती। सच पूछिए तो पतले होने के लिए किए जा रहे प्रयास महिला वर्ग में फैशन ट्रेंड से बन गए हैं। मगर चिकित्सकों की सलाह है कि छरहरा दिखने के लिए भोजन में कटौती बिल्कुल भी ना करें बल्कि उसका स्वरूप बदलिए।आइए हम आपको बताते हैं छरहरी या स्लिम रहने के उपाय :

- प्रत्येक दिन सूर्य नमस्कार का आसन करें। इन सभी व्यायामों को करने से आप अपनी कमर से फालतू चर्बी कम कर सकती हैं।

- फर्श पर बैठकर बायें पैर को बायें और दाहिने पैर को दाहिनी ओर फैला लें। फिर दोनों हाथ से एक साथ पहले दायें पैर का अंगूठा छुएं, फिर बायें पैर का अंगूठा छुएं। इस व्यायाम को दस बार प्रत्येक दिन करें।

- तला भोजन खाना बंद करें। घी, मक्खन, तेलयुक्त पदार्थों का सेवन कम करें।

- पानी सौ समस्याओं का एक इलाज है। अधिक पानी पीने से भोजन को पचने में आसानी रहती है और शरीर के अनावश्यक पदार्थ गुर्दो द्वारा पानी के माध्यम से सरलता से बाहर चले जाते हैं, इसलिए दिन में कम से कम १० से १५ गिलास पानी जरूर पिएं।

- सीधी खड़ी हो जायें और दोनों पैरों के बीच कम से कम एक कदम का फासला रखें। धीरे-धीरे दाहिनी ओर झुकें और दाहिने घुटने को पकड़ें लेकिन घुटना सीधा रखें। शरीर को जितना आप झुका सकें दाहिनी ओर झुकायें। इसी तरह बायें हाथ से बायें घुटने को पकड़ें। इस व्यायाम को प्रत्येक दिन कम

तेज रफ्तार कार ने युवक को मारी टक्कर

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

नरवर थाना क्षेत्र में पुराने बस स्टैंड जनपद परिसर के सामने सड़क से दूरी पर खड़े युवक को तेज रफ्तार में आ रही सफेद रंग की कार एमपी 07 सी एफ 3710 ने टक्कर मार दी जिससे युवक घायल हो कर घटना स्थल पर गिर गया कार चालक मौके से कार लेकर रफू चक्कर हो गया,बाद में स्थानीय लोगों ने घायल युवक रंजीत गुर्जर को नरवर समयदायिक स्वास्थ केंद्र इलाज के लिए पहुँचाया जानकारी के अनुसार कार बाजार की और से मगरोनी की ओर जा रही थी अधिक गति होने के कारण जब दुर्घटना हुई तो गाड़ी का मुंह दोबारा बाजार की ओर हो गया मानो कि गाड़ी दूसरी ओर से आ रही है।कार चालक टक्कर मारकर मौके से कार लेकर भाग गया लेकिन स्थानीय लोगों ने कार का नंबर नोट कार लिया जानकारी मिलते ही नरवर पुलिस मौके पर पहुंची ओर घायल से जानकारी मिलने के बाद मामले को विवेचना में लिया।

वृंदावन रजक रनोद ब्लॉक अध्यक्ष बने

रामस्वरूप रजक
पुष्पांजलि टुडे

अखिल भारतीय धोबी महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष कृष्ण कुमार कनौजिया जी के मार्गदर्शन में मध्य प्रदेश इकाई के प्रदेश अध्यक्ष बलबीर निबोरिया जी एवं प्रदेश कार्य करनी अध्यक्ष श्री मनीष रजक जी गुना के निर्देश पर। प्रदेश मीडिया प्रभारी एबीडीएम रामस्वरूप रजक एबीडीएम के प्रदेश उपाध्यक्ष बालू राम रजक एवं प्रदेश संगठन मंत्री श्री राम रजक जी ईसागढ़ की उपस्थिति में एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष राजकुमार रजक की अनुशंसा पर जिला अध्यक्ष श्री महेश रजक जी ने वृंदावन रजक जी रऩौद को अखिल भारतीय धोबी महासंघ का बदरवास ब्लॉक का ब्लॉक अध्यक्ष नियुक्त किया जाता हैइनकी नियुक्ति पर संपूर्ण मध्य प्रदेश के साथियों ने बधाई दी बधाई देने वालों में राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मनोज सुलताने जी बड़वानी ऋत्र रजक नारायण रजक संतोष रजक क्षीर सागर रजक जबलपुर मंगल रजक शिवपुरी नीरज रजक शिवपुरी प्रदेश मीडिया प्रभारी शिवपुरी मनीष रजक गुना बलराम मालवीय सांची राजू मालवीय भोपाल शोभाराम रजक अशोक नगर बालवीर रजक अशोक नगर राकेश रजक अशोक नगर आदि साथियों ने बधाई दी

नवरात्रि के पहले दुर्गा मां का मंदिर जगमगाया

घोंसला बस स्टैंड पर नवरात्राके ठीक 1 दिन पहले कई दिनों की तैयारी चल रही थी आज रात में काम पूरा हुआ डिजिटल लाइट से मां अंबे का मंदिर दूर-दूर तक लाइट से सज रहा है यहां कई दिनों की अमित बडेरा व। उन की टीम की मेहनत से बस स्टैंड चैतन्य मूर्ति मां अंबे का दरबार हर साल जगमगा ताहै अमितबढेराप्रयास से 9 दिन तक मंदिर में रौनक म पंडित द्वारा पूजा अर्चना और महाकाल सब्जी भंडार के संचालक दोनों भाई मंदिर के पास पूरी लाइट वी प्रसाद की व्यवस्था बस स्टैंड वासी मिलकर सभी लोग मां प्रसादी को आरती का आनंद लेते हैं 9 दिन अंबे माता के परागण में खूब आनंद बरसेगा मेंनरोड एन एच पर होने के बावजूद पुलिस प्रशासन से निवेदन है कि आरती के समय मंदिर पर दो जवान की ड्यूटी लगाकर बरीकेट्स लगाकर आवागमन दूसरे रोड से सुझारू रूप से चालू हो ताकि हवा का मन में परेशानी ना हो सके

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी के निर्देशन मे एसडीओपी पिछोर द्वारा रात्री के समय थाना मायापुर पहुंचकर थाने का औचक निरीक्षण किया, थाने का रिकॉर्ड व रात्री गस्त को चैक कर नवदुर्गा महोत्सव व्यवस्था पर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये ।

पत्रकार हरिओम परिहार

पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौर के निर्देशन में दिनांक 02-03.10.2024 की रात्री मे एसडीओपी पिछोर श्री प्रशांत शर्मा के द्वारा थाना मायापुर पहुंचकर थाने का औचक निरीक्षण किया । एसडीओपी पिछोर के द्वारा थाना मायापुर के महत्वपूर्ण रजिस्टर अपराध रजिस्टर, मर्ग रजिस्टर, गुम इन्सान रजिस्टर, जप्ती रजिस्टर एवं मेडीकल रजिस्टर चैक किये । एसडीओपी पिछोर द्वारा थाना मायापुर के सीसीटीएनएस पर की जाने वाली कार्यवाही एवं हावालात को चैक करते हुये थाने पर की जाने वाली कार्यवाहियों का जायजा लिया एवं रात्री गस्त को चैक करते हुये आवश्यक निर्देश दिये गये ।

1.थाने के रजिस्टरों को चैक किया गया एवं रिकॉर्ड को व्यवस्थित रखने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिये ।

2.थाने पर सीसीटीएनएस सॉफ्टवेयर मे नवीन कानूनों में की जाने वाली कार्यवाहियों के संबंध मे जानकारी ली ।

3.रात्री गस्त को प्रभावी तरीके से किया जावे एवं रात्री गस्त को समय से रवाना कर संदिग्धों एवं फरार आरोपियों को आवश्यक रुप से चैक किया जावे।

4.थाने से अधिक से अधिक बारंटों को कामील कराने हेतु आवश्यक निर्देश दिये ।

5.थाने के हवालात को चैक किया कोई मुल्जिम नहीं पाया गया ।

6. थाना क्षेत्र में कुल 13 स्थानों पर माता की मूर्ति रखी जाएगी इस संबंध में थाना प्रभारी व स्टाफ को समझाइश दी गई ।

अहमदाबाद गुजरात में मजदूरी कर कर बीमारी का इलाज करवाता रहा पति इधर पत्नी प्रेमी के साथ रहने लगी दो माह से पुत्र ला पता, मकान पर किया कब्जा

दैनिक पुष्पांजलि टुडे से सतीश परिहार

शिवपुरी,, जिले के अमोला थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले सिलानगर में पत्नी और उसके प्रेमी ने मकान पर कब्जा कर लिया है 2 महीने से पुत्र को भी गायब कर दिया है जिसका पता अभी तक नहीं चला है जानकारी के अनुसार शालिग्राम लोधी पुत्र बादाम लोधी निवासी ग्राम सिला नगर थाना अमोला नेबताया कि 2 साल से मेरी तबीयत खराब रहती है अहमदाबाद गुजरात में बीमारी का इलाज कर रहा था साथ ही वहां काम करता था इसी बीच में मेरी पत्नी राजकुमारी लोधी ने ग्वालियर के छोटू ठाकुर से संबंध बना लिए थे इसके बाद इसकी शिकायत अमोला थाने में की गई 1 अक्टूबर को अहमदाबाद से इलाज करा कर पति वापस अपने घर सिला नगर आया तो पत्नी छोटू ठाकुर को अपने साथ रखें हुए मिली,जब बिरोध किया तो धमकीं दी गई दो महीने से पुत्र संजय लोधी उम्र 15साल को कहीं गायब करवा दिया है जिसका अभी तक कोई पता नहीं लग सका है। साथ ही सिलानगर में स्थित मकान पर पत्नी और प्रेमी ने कब्जा कर लिया है पीड़ति ने बताया कि गांव में मेरी गल्ले की दुकान थी इसी दौरान छोटू ठाकुर और पत्नी के बीच बातचीत होने लगी तभी से यह संपर्क में आ गए

राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व लालबहादुर शास्त्री की जयंती मनाई, सफ़ाई व ग्राम सभा आयोजित हुई

खेड़ाखजुरिया. राष्ट्रपिता महात्मा गांधी व पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पंचायत में मनाई गई । सर्वप्रथम गांधीजी शास्त्री जी के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजन अर्चन किया गया । इसके पश्चात् उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला गया । गांधी जी और शास्त्री जी के त्याग और समर्पण एवं उनके बताए मार्ग की अपील की गई । इनकी जयंती पर सफाई अभियान भी चलाया गया । पंचायत प्रांगण व बाजार में साफ सफाई की गई । इसके साथ ही पंचायत भवन में ग्राम सभा का आयोजन किया गया । ग्राम सभा में सरपंच शिवनारायण परिहार व सचिव महेश दीक्षित ने ग्राम सभा के रूपरेखा पर प्रकाश डाला । ग्राम सभा में उपस्थित पंचों ने गांव में सफाई ,बिजली आदि मुद्दों पर अपनी-अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की । इस अवसर पर जनपद सदस्य प्रतापसिंह परिहार, उपसरपंच वीरेंद्रसिंह झाला , पटवारी वाहिद बैग मिर्जा, नोडल अधिकारी सुशील बामनिया, राजू वर्मा, संजय वर्मा ,महेश,रवि जायसवाल, हेमसिंह, प्रेम माली, संजय सिंघानिया, जगदीश राठौर, रायसिंह,जितेंद्र ,बाबूलाल सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे ।

खाद्य सामग्री से भरे ट्रक में पलटने से आग लगी

गेरतगंज गाडरवारा स्टेट हाइवे 44 सिलवानी से 7 किलोमीटर दूर जमुनिया घाटी पर आज सुबह 12 खाद्य से भरा ट्रक जमुनिया घाटी के मोड़ पर पलट गया जिसकी वजह से ट्रक में आग लग गई गाड़ी का चालक हंसराज द्वारा गाड़ी से कूद कर जान बचाई जमुनिया घाटी पर सड़क दुर्घटनाओं में पिछले 5 ,6 सालों में लगातार घटनाओं में 10 से ज्यादा मौतें हो चुकी है 100 से अधिक लोग घायल हो चुके हैं । शासन प्रशासन को मीडिया ब्दारा अनेक बार याद दिलाने के बाद कान पर जूं नहीं देगा। भाढ़े की गाडियों से प्राइवेट कंपनी का खाद लेकर भोपाल से सिलवानी होते हुए गाडरवारा नरसिंहपुर जाते हैं सिलवानी आते समय घाट पर अंधा मोड़ होने से गाड़ियां पलट जाती है। जिससे आय दिन घटनाएं होती है। उक्त वाहन चालक का उपचार सिलवानी सिविल अस्पताल में किया जा रहा है। आशंका है ट्रक के ब्रेक फैल होने से ये घटना हुई है स्थानीय लोगों ने कई बार कलेक्टर से लेकर मुख्यमंत्री को भी जमुनिया घाट पर स्थित अंधे मोड़ को सीधी सड़क बनाने को ज्ञापन भी दिए जा चुके हैं। इसके बाद भी एमपी आर डी सी विभाग से लेकर जिम्मेदार अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे हैं। जिसकी वजह से आए दिन सड़क पर दुर्घटनाएं हो रही है। सड़क निर्माण का काम एमपी आ डी सी विभाग को करना है दमकल आग बुझाने के लिए जमुनिया घाट पर पहुंची।

सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में बांटे फल और बिस्किट

घट्टिया - खेल एवं युवा कल्याण विभाग

घट्टिया के द्वारा मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार सेवा से सीखे कार्यक्रम के तहत स्वच्छता पखवाड़े के अंतर्गत दिनांक 17 सितंबर से 2 अक्टूबर तक शासकीय सामुदायिक केंद्र घट्टिया में मरीजों को फल एवं बिस्किट का वितरित किया।

इस अवसर पर डॉक्टर वैशाली बामनिया,ब्लॉक समन्वयक बलवीरसिंह पंवार,अर्जुन पाटीदार,नर्सिंग स्टॉफ सुष्मिता,अनीता,मोहित ठाकुर, मनीष पौडवाल,नर्स अनीता,मंसूर खान,राकेश कछावा,विनायक जाटव के द्वारा मरीज को फल एवं बिस्किट का वितरण किया।

राज्य आनंद संस्थान भोपाल के तत्वाधान में तीन दिवसीय आनंद सहयोगी प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न।

उक्त कार्यक्रम संजय गांधी युवा नेतृत्व एवं ग्रामीण विकास प्रशिक्षण संस्थान पचमढ़ी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण प्राप्त हुए आत्मबोध, आत्म पोषण की अनुभूति प्राप्त की, साथ ही निस्वार्थ प्रेम, संपूर्ण ईमानदारी, संपूर्ण पवित्रता, अपने भीतर की अच्छाइयां, स्वयं को पत्र लिखकर जीवन का लक्ष्य प्राप्त करने की शिक्षा। राज्य आनंद संस्थान के कोऑर्डिनेटर देवाशीष जी, अवस्थी जी, ओमप्रकाश जी एवम मास्टर ट्रेनर द्वारा जीवन के अल्पविराम का आध्यात्मिक आनंद प्राप्त करवाया गया। जीवन का लक्ष्य भी यही है। कठोर परिश्रम के साथ निस्वार्थ भावना से सभी की सेवा करना ही मनुष्य जीवन का लक्ष्य है इसलिए प्रेम पूर्वक जीवन जीवो और सभी को प्रेम पूर्वक जीवन जीने की कला सिखाओ।उक्त कार्यक्रम में नगर परिषद जीरापुर के देवनारायण दांगी सहायक ग्रेड- 2 के द्वारा प्रशिक्षण प्राप्त करते हुए राज्य आनंद संस्थान को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए प्रशिक्षण कार्यक्रम की सराहना की।

पुलिस थाना परिसर मैं शांति समिति की बैठक आयोजित की गई।

आगामी त्यौहारों को मध्य नजर रखते हुए पुलिसथाना परिसर जीरापुर में शांति समिति की बैठक आयोजित की गई जिसमें आगे आने वाले त्योहार नवरात्रि पर्व आदि त्योहारों को सौहार्द और शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के संबंध सभी समुदाय के लोगों द्वारा चर्चा की गई। बैठक में मुख्य रूप से थाना प्रभारी प्रदीप गोलिया, तहसीलदार आरपी सिंह, विद्युत मंडल के जे. ई.चंदन मकासरे, ईश्वर सिंह तोमर, नगर परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि पवन कुशवाहा, मौजूद रहे। बैठक में शांति समिति के नगर के अन्य गण मान्य नागरिक, दुर्गापूजा व गरबा मंडल स्थापना समिति के सदस्य गण, नगर के वरिष्ठ पत्रकार गण भी मौजूद रहे। सभी लोगों ने अपने सुझाव देकर आने त्योहारों में अपने स्तर पर सहयोग करके शांतिपूर्ण तरीकों से आयोजित करने की सहमति प्रदान की

मिट्टी के बर्तन का कार्य शुरू कर रेखा बनी लखपति

धार जिले के ग्राम बालोद में रहने वाली रेखा प्रजापत ने महिला विकास संस्था से जुड़कर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाया ! रेखा दीदी बताती है कि मिट्टी के बर्तन बनाने का कार्य हमारा पारंपरिक कार्य है हमने यह कार्य कई वर्षों बाद शुरू किया और अब में सालाना एक लाख रुपये से अधिक कि आय अर्जित कर रही हूँ इससे मेरे परिवार की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ और मेरे बच्चो कि पड़ाई और पालन-पोषण में मदद मिल रही है बच्चो कि स्कूल ड्रीस भरने में भी आसानी हुई है साथ ही साथ मिट्टी के बर्तन के कार्यो में भी वर्द्धी हुई है और अब मेरे परिवार के साथ एक अच्छा जीवन यापन कर

स्वच्छता अभियान का हुआ समापन जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने गांधीजी की प्रतिमा और लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया

सनावद-राष्ट्रपिता महात्मा गांधी एवं पूर्व प्रधानमंत्री लालबहादुर शास्त्री की जन्म जयंती के उपलक्ष्य में माता चौक बस स्टेंड स्थित गांधी प्रतिमा के समक्ष बुधवार को स्कूली छात्राओं द्वारा सुमधुर भजनों की प्रस्तुति दी गई।नपाध्यक्ष सुनीता बिर्ला,जनप्रतिनिधियों और नागरिकों ने गांधीजी की प्रतिमा और लालबहादुर शास्त्री के चित्र पर माल्यार्पण किया।नपाध्यक्ष ने गांधीजी और शास्त्रीजी के कृतित्व का भावपूर्ण समरण किया। तत्पश्चात स्वच्छता ही सेवा अभियान के तहत आयोजित प्रतियोगिताओं में विभिन स्कूलों के विद्यार्थियों ने भाग लिया।प्रतियोगिता में विमला कान्वेंट इंग्लिश मीडियम स्कूल, गुरुकुल स्कूल,विमल कॉन्वेंट हिंदी मीडियम स्कूल के छात्र लक्की अरझरे,दक्ष जैन,अर्पिता भेरवे,सौम्या बत्रा प्रथम, नमामि गुप्ता,कशिश पाटीदार, नमीर अहमद पटेल,अभिमन्यु सिंह चौहान,अनुज पटेल द्वितीय एवं पूर्वी आर्यन पटेल,वैदिक शास्त्री अनन्य सोनी,एंजेल बिरला,नैतिक पटेल, गौरव पटेल,गायत्री

केवट,आरोही पुरोहित, आयुष्मान पटेल,कीर्तन बिरला,अदिति जाजपुरे,माही बिरला इशा परिहार,तनीषा मंडलोई, सेजल सावनेर,अनूम शेख,पार्थ जोशी तृतीय स्थान पर रहे। नपा कर्मियों में विकास नरिया प्रथम, सिद्धि मित्तल द्वितीय, देवेंद्र कानूनगो स्थान पर रहे। निबंध प्रतियोगिता में मनमोहन माहेश्वरी,भारती शर्मा,रेणुका चोलकर विजेता रहे। विशेष निबंध प्रतियोगिता में समाजसेवी हर्षवर्धन गौतम विद्यार्थी ने भाग लिया और स्वच्छता विषय पर प्रेरक आलेख लिखा। विद्यार्थी को पुरस्कृत किया गया। स्वच्छता ही सेवा के अंतर्गत पेंटिंग प्रतियोगिता भी कराई गई। जिसमें हर्षिता इंगला प्रथम, विधि चलकर द्वितीय,मंतशा खान और नंदिनी चौहान तृतीय रहे। इस अवसर पर नपाध्यक्ष तथा जनप्रतिनिधियों ने सफाई मित्रों को पुरस्कृत किया। स्वच्छता ही सेवा अंतर्गत विशेष योगदान हेतु गौतम प्रकाश,भारत घारू,रवि रामचरण चौहान,सूरज मोहन लोहरे,अंजू कल्याने,कैलाश रामसिंह,जगदीश सिहोते,जितेंद्र मेवा, शिव मोहन,अजय विनोद, विजय विनोद सचिन घावरी,भारत आनंद राम,सागर , नितिन,मुकेश मंगल बोयत,महेंद्र शिंदे, रोहित आदिवाल,अनिल शिंदे विजय रमेश घारू,अभय सचिन सिहोते,छीतर सावले , अमर राजेश, सुरेश सांवले,गौरीशंकर छन्नू को पुरस्कृत किया। नागरिकों को मद्यपान निषेध की शपथ दिलाकर कपड़े की थैलियां वितरित की गईं। इस अवसर नपा उपाध्यक्ष नयन चौधरी,नपा नेता प्रतिपक्ष गजेंद्र उपाध्याय,विधायक प्रतिनिधि लक्ष्मीनारायण पटेल,दिनेश शर्मा,इंदर बिर्ला,लायंस क्लब सनावद सिटी के अध्यक्ष पंकज जटाले,पूर्व जनपद अध्यक्ष शालिनी जटाले,पार्षद ज्योति गुप्ता,पूजा परिहार,गंगाभारती शर्मा,पूजा परिहार,दुर्गा माली,नसरीन सोनू मेंटर,जय शिंदे,पवन इंगला,अनिल बारे,मनोज जैन,स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर उर्मिला जैन, भाजपा नेत्री ज्योति येवतिकर,रजनीश जैन आदित्य पंचोलिया,सीएमओ राजेंद्र मिश्रा, स्वच्छता प्रभारी हारून बेग सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थित थे।

आज से विराजेगी पांडालों ओर मंदिरो में मां जगत जननी

सनावद-मां दुर्गा आदिशक्ति को समर्पित पर्व शारदीय नवरात्रि आज से शुरू हो रहे हैं।शहरों सहित ग्रामीण क्षेत्रों में भी नवरात्रि पर्व को लेकर उत्साह देखा जा रहा है। मंदिरों सहित पंडालों में विशेष तैयारियां हो चुकी है। आकर्षक विद्युत साजसज्जा भी होगई है। इसी प्रकार विभिन्न कॉलोनियों सहित मोहल्लों में पांडाल तैयार होगये हैं। पुलिस थाने के अजय सोलंकी ने बताया 20 से 25 स्थानों पर पंडालों में माता पाठ बैठेगी। इसके लिए समितियों ने जानकारी दी है। वहीं

समिति के सदस्यों के साथ बैठक लेकर थाना प्रभारी इंद्रेश त्रिपाठी ने चर्चा कर आपसी सौहार्द् व पर्व मनाने की बात कही। शहर में बाहेती कॉलोनी, एरिगेशन कॉलोनी, टोडीपुरा, ओंकारेश्वर रोड,बाहेती धर्मशाला परिसर, चांदनीपुरा, सुभाष चौक सहित अन्य स्थानों पर माता विराजित होगी। शहर में नवरात्रि पर्व को लेकर बस स्टैंड स्थित माता मंदिरों में विशेष तैयारियों के साथ मंदिर परिसर को आकर्षक विद्युत सज्जा के साथ सजाया गया है। बस स्टैंड स्थित बागेश्वरी माता, प्राचीन शीतला माता मंदिर, ओंकारेश्वर रोड स्थित दुर्गा माता मंदिर, गायत्री शक्तिपीठ में विशेष साजसज्जा की होगई है। आज से नौ दिन तक यहां मां की आराधना की जाएगी। वहीं बड़ी संख्या में श्रद्धालु माता के दर्शन व पूजन के लिए पहुंचेगे। पर्व के दौरान मंदिर में विशेष अनुष्ठान देवी पाठ के साथ माता रानी की स्तुति की जाएगी। शाम को प्रतिदिन संगीतमय महाआरती के साथ महाप्रसादी का वितरण होगा।

न्यूज ट्रैक

महाराजा अग्रसेन जयंती पर भव्य प्रभात फेरी आज प्रातः7:30 बजे होगी शुरुआत

शहर के विभिन्न मार्गो से होती हुई प्रभात फेरी वापस पहुंचेगी नया बाजार करौली वाला मंदिर

ग्वालियर।श्री मदन मोहन जी महाराज नया बाजार से श्री अग्रवाल करौली वालान पंचायत द्वारा अग्र कुल प्रवर्तक भगवान श्री महाराजा अग्रसेन के जन्मोत्सव के उपलक्ष में एक भव्य प्रभात फेरी का आयोजन किया जा रहा है पंचायत के महासचिव सुनील अग्रवाल सनी ने बताया कि *प्रभात फेरी का शुभारंभ ÷ मुख्य जिला एवम सत्र न्यायाधीश माननीय पी सी गुप्ता ÷ हरी झंडी दिखाकर करेंगे, साथ ही वरिष्ठ एडवोकेट श्री अरविंद जी दुदावत विशिष्ठ अतिथि होंगे, अग्रवाल समाज के *वरिष्ठ जन एवम मात्र शक्ति प्रभात फेरी में मुख्य रूप से साथ रहेंगी *प्रभात फेरी नया बाजार स्थित मदन मोहन करौलीमंदिर से प्रारंभ होकर नया बाजार दाल बाजार तिराहा दाल बाजार हाई कोर्ट और लोहिया बाजार होते हुए मंदिर पर ही वापस आएगी। प्रभात फेरी का स्वागत दाल बाजार नया बाजार लोहिया बाजार में अग्र बंधुओं एवं व्यापारियों द्वारा जगह-जगह किया जाएगा। प्रभात फेरी में आगे जयघोष के साथ भगवान अग्रसेन का ध्वज रहेगा, उसके पीछे बैंड रहेगा। एक भव्य रथ में भगवान श्री महाराजा अग्रसेन का छायाचित्र विराजमान रहेगा। प्रभात फेरी का समापन मंदिर पर श्री मदन मोहन जी व भगवान श्रीअग्रसेन जी की आरती एवं स्वल्पाहार के साथ होगा। आप सभी से पुन -विनम्र आग्रह की आप सपरिवार सम्मिलित हो।

जीवाजी विश्वविद्यालय में फ्रेशर पार्टी की धूम मिस्टर और मिस फ्रेशर चुने गए सिद्धार्थ और विशाखा

ग्वालियर। मंगलवार को जीवाजी विश्वविद्यालय के पत्रकारिता एवं

संचार विभाग में नए सत्र की शुरुआत के अवसर पर फ्रेशर पार्टी का आयोजन किया गया। जहां सीनियर ने जूनियर्स को पढ़ाई संबंधी टिप्स दिए। इस अवसर पर कई सांस्कृतिक और शैक्षिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया। सभी छात्रों ने कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और खूब आनंद प्राप्त किया।मुख्य अतिथि जीवाजी विश्वविद्यालय के दूरस्थ शिक्षा निदेशक एवं पुस्तकालय विज्ञान विभाग अध्यक्ष हेमंत शर्मा ने छात्रों को शिक्षा का महत्व समझाते हुए बताया कि आप सभी सौभाग्यशाली हैं जो उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे हैं। वर्तमान में देश के 30 त्न छात्र ही ऐसा शुभ अवसर प्राप्त कर पा रहे हैं। इसलिए अवसर का लाभ प्राप्त करें और अपना सर्वोत्तम दे। पुस्तकालय विभाग अध्यक्ष होने के नाते मैं आपको हर वह पुस्तक उपलब्ध करा सकता हूं, जिसकी आपको आवश्यकता है। इसलिए पुस्तकों को अपनी दोस्त बनाएं और सफलता प्राप्त करें।विशिष्ट अतिथि समाज कार्य विभाग अध्यक्ष विवेक बापट ने विश्वविद्यालय की विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी और कोई भी पढ़ाई संबंधित समस्या होने पर छात्रों को मदद का भरोसा दिलाया। अध्यक्षता कर रहे विश्वविद्यालय कुलानुशासक एस.के.सिंह ने मोबाईल का उचित उपयोग करते हुए छात्रों को समय पर नींद, भोजन और शिक्षा लेने पर जोर दिया और विश्वविद्यालय में अनुशासन बनाए रखने का महत्व बताया। वही पत्रकारिता एवं संचार विभाग अध्यक्ष एस.एन.मोहपात्र ने पत्रकारिता का महत्व बताते हुए छात्रों को पत्रकारिता क्षेत्र में मुकाम हासिल करने के लिए दिल लगाकर अध्ययन करने के लिए शुभकामनाएं दी। पार्टी में विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम स्वरुप सिद्धार्थ वैश्य को मिस्टर फ्रेशर और विशाखा शर्मा को मिस फ्रेशर चुना गया। वही गौरव जामोद और सुनिधि बंसल को सर्वोत्तम प्रदर्शन के लिए डॉ.भुवनेश तोमर, डॉ.सत्येंद्र नगायच, पुष्पेंद्र तोमर, राघवेंद्र गोयल, देवेंद्र सिकरवार, मिनी मंगल, शुभम चौधरी ने पुरस्कृत किया।इस अवसर पर पार्टी आयोजक छात्र जानवी तोमर, अनुज अग्रवाल, श्रेया पचौरी, लक्षिता भार्गव, तनु कौरव सहित पत्रकारिता विभाग के छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाल टिपारा गौशाला के कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र का किया वर्चुअल शुभारंभ

प्रधानमंत्री श्री मोदी ने लाल टिपारा गौशाला के कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र का किया वर्चुअल शुभारंभ

शुभारंभ कार्यक्रम में प्रभारी मंत्री श्री सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री तोमर एवं सांसद श्री कुशवाह सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण भी हुए शामिल

सफाई मित्रों एवं स्वच्छता चैम्पियन को किया गया सम्मानित

स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा के समापन दिवस एवं गाँधी जयंती के पावन अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने नईदिल्ली के विज्ञान भवन से ग्वालियर की आदर्श गौशाला लाल टिपारा के बायो सीएनजी प्लांट (कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र) का वर्चुअल शुभारंभ किया। यहाँ लाल टिपारा गौशाला में आयोजित हुए बायो सीएनजी प्लांट के शुभारंभ कार्यक्रम में केन्द्रीय संचार एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर, जिले के प्रभारी एवं जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट, ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह एवं नगर निगम सभापति श्री मनोज तोमर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण तथा गौशाला के संत श्री अच्युतानंद जी महाराज व ऋषभ देव जी मंचासीन थे। इस अवसर पर ग्वालियर के सफाई मित्रों एवं स्वच्छता चैम्पियन को सम्मानित किया गया।

ग्वालियर की गौशाला का मॉडल देश और दुनिया के लिये उदाहरण बनेगा - श्री सिंधिया

ग्वालियर केन्द्रीय संचार मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने कहा ग्वालियर की आदर्श गौशाला में स्थापित सीएनजी प्लांट बड़ी मात्रा में जैविक खाद का भी उत्पादन होगा। इससे प्राकृतिक खेती को बड़ावा मिलेगा और ग्वालियर का यह मॉडल देश ही नहीं दुनिया भर के लिये उदाहरण बनेगा। उन्होंने कहा खुशी की बात है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी द्वारा स्वच्छता एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए चलाए गए अभियान के तहत ग्वालियर की आदर्श गौशाला में बायो सीएनजी प्लांट की स्थापना हुई है। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने देश ही नहीं, दुनिया के सबसे महान मार्गदर्शक राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर ग्वालियर को यह सौगात सौंपी है। उन्होंने कहा बापू का भी कहना था कि गौ रक्षा भारतीय संस्कृति का केन्द्रीय तत्व है। इसी भाव के साथ ग्वालियर में संतजनों के सहयोग से लाल टिपारा गौशाला को आदर्श रूप दिया गया है। श्री सिंधिया ने कहा कि पूरा विश्व प्राकृतिक खेती की ओर बड़ रहा है।

इस अवसर पर उन्होंने भरोसा दिलाया कि ग्वालियर की आदर्श गौशाला को वैश्विक स्तर की गौशाला बनाने में उनकी ओर से हर संभव सहयोग मिलेगा। साथ ही कहा कि ग्वालियर की गौशाला एवं यहाँ स्थापित सीएनजी प्लांट हर हफ्ते स्कूली बच्चों को अवश्य दिखाएँ, जिससे वे जान सकें

कि गौवंश का किस प्रकार संरक्षण किया जा सकता है और उसके गोबर से किस प्रकार सीएनजी गैस बनाई जा सकती है। उन्होंने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी द्वारा चलाए जा रहे स्वच्छता अभियान में मध्यप्रदेश अग्रणी रहा है। प्रदेश का इंदौर शहर लगातार सातवीं बार स्वच्छता रैंकिंग में पहले स्थान पर रहा है। हम सब आज संकल्प लें कि ग्वालियर भी स्वच्छता के क्षेत्र में अग्रणी शहर बने।

बिजनेस मॉडल के साथ श्रद्धा का केन्द्र भी बने ग्वालियर की गौशाला - श्री तोमर

विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने कहा कि हमारी संस्कृति में गौसेवा का सदैव से ही महत्वपूर्ण स्थान रहा है। गौ माता के प्रति श्रद्धा व संरक्षण का भाव हमारी रग-रग में बसा है। ग्वालियर की लाल टिपारा गौशाला में इसी भाव के साथ गौवंश की सेवा की जा रही है। सन् 2004 में शुरू हुई इस गौशाला को संतजनों ने पूरी श्रद्धा और समर्पण से आदर्श गौशाला में तब्दील कर दिया है। इसी कड़ी में सरकार की एसएटीएटी योजना के तहत आईओसीएएल के सहयोग से लाल टिपारा गौशाला में कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र स्थापित हुआ है। खशी की बात है कि देश के प्रधानमंत्री श्री मोदी के कर कमलों से ग्वालियरवासियों को यह सौगात मिली है। इस अवसर पर श्री तोमर ने यह भी कहा कि हम सबके ऐसे प्रयास हों, जिससे कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र के माध्यम से यह गौशाला बिजनेस मॉडल के रूप में स्थापित हो। साथ ही सभी की श्रद्धा का केन्द्र भी बने।

सीधे प्रसारण के जरिए प्रधानमंत्री श्री मोदी का उदबोधन भी सुना

लाल टिपारा गौशाला में बायो सीएनजी प्लांट के उदघाटन कार्यक्रम में मौजूद सभी अतिथियों एवं कार्यक्रम में मौजूद नागरिकों ने बड़ी स्क्रीन पर सीधे प्रसारण के जरिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का उदबोधन भी सुना। आरंभ में केन्द्रीय मंत्री श्री सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री तोमर सहित सभी मंत्रिगणों ने गौपूजन किया। साथ ही गौशाला में स्थापित कंप्रेस्ड बायो गैस संयंत्र का जायजा भी लिया। अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया।

इन सफाई मित्रों और स्वच्छता चैम्पियन का हुआ सम्मान

केन्द्रीय मंत्री श्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं विधानसभा अध्यक्ष श्री नरेन्द्र सिंह तोमर सहित अन्य अतिथिगणों ने स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा में उल्लेखनीय काम करने वाले सफाई मित्रों एवं स्वच्छता चैम्पियन को इस अवसर पर सम्मानित किया। इनमें सफाई मित्र सुश्री सीमा बनवार, संगीता जादौन व मोहिनी गौर शामिल हैं। इसी तरह स्वच्छता जागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाले एविटास फाउण्डेशन व जेडओ श्री राकेश कुशवाह सहित अन्य सेवाभावी नागरिकों व संस्थाओं को स्वच्छता चैम्पियन के रूप में सम्मानित किया गया।

इनकी भी रही मौजूदगी

लाल टिपारा में बायो सीएनजी प्लांट के उदघाटन कार्यक्रम में भाजपा जिला अध्यक्ष श्री अभय चौधरी, पूर्व सांसद श्री विवेक शेजवलकर, पूर्व मंत्री श्रीमती इमरती देवी, पूर्व विधायक श्री रामबरन गुर्जर, श्री मुन्नालाल गोयल, नेता प्रतिपक्ष श्री हरिपाल, पूर्व साडा अध्यक्ष श्री जय सिंह कुशवाह, सर्वश्री अशोक शर्मा, विनोद शर्मा, हरीश मेवाफरोश, दीपक शर्मा व जितेन्द्र सिंह गुर्जर सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती रुचिका चौहान एवं नगर निगम आयुक्त श्री अमन वैष्णव सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन के अधिकारीगण एवं बड़ी संख्या में शहर के नागरिक मौजूद थे।

प्रतिदिन 2 टन से अधिक सीएनजी का होगा उत्पादन, जैविक खाद भी मिलेगा

लाल टिपारा गौशाला को आत्मनिर्भर बनाने के लिए इंडियन ऑयल कार्पोरेशन के सहयोग से 2 हेक्टेयर क्षेत्र में बायो सी.एन.जी. प्लांट स्थापित किया गया है। इस प्लांट के संचालन के लिए 100 टन गोबर का उपयोग कर प्रतिदिन लगभग 2 टन सीएनजी और सर्वोत्तम गुणवत्ता का जैविक खाद 20 टन मिलेगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन प्लांट के संचालन एवं संधारण में भी सहयोग करेगा। यह लाल टिपारा गौशाला कार्बन उत्सर्जन रोकने में वैश्विक आदर्श बनने जा रही है।

गौ-शाला में यह सीएनजी प्लांट इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की सामाजिक जिम्मेदारी निधि से 32 करोड़ रूपये की लागत से बना है। भविष्य में विस्तार की संभावना को रखते हुए एक हेक्टेयर की भूमि आरक्षित रखी गई है। गौ-शाला को और विस्तार देने सांसद निधि से 2 हजार गायों के लिये आधुनिक शेड निर्माण के लिए 2 करोड़ रूपये की राशि दी गई है। इस प्लांट से नगर निगम ग्वालियर को लगभग राशि रूपये 7 करोड़ की आय प्राप्त होना संभावित है।

बांग्लादेश टीम ग्वालियर आते ही हिंदू महासभा ने किया काले झंडों से विरोध प्रदर्शन , 19 गिरफ्तार,

बांग्लादेश टीम वापस जाओ, वापस जाओ के लगाए नारे,6 को लश्कर बंद रहेगा,

ग्वालियर ।आज दिनांक 2 अक्टूबर को दोपहर 3ः00 बजे हिंदू महासभा भवन ,दौलतगंज से बांग्लादेश में जेहादियों द्वारा हिंदुओं की हो रही हत्याएं, बालात्कार के कारण क्रिकेट मैच बांग्लादेश से नहीं किसी अन्य देश हो, तिरुपति बालाजी में लड्डुओं में मिलावट करने वालों को फांसी देने एवं अमेरिका, बांग्लादेश के मंदिर को तोड़ने वालों को सजा देने की मांग को लेकर हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा प्रवक्ता अर्चना सिंह चौहान बंटी गुर्जर के नेतृत्व में बांग्लादेश की टीम ग्वालियर आने पर काले झंडों के साथ विरोध प्रदर्शन किया । इसमें बड़ी संख्या में हिंदू महासभा के निष्ठावान, श्रेष्ठ , ज्येष्ठ पदाधिकारीयों ने हिंदू महासभा भवन में बांग्लादेश में जिहादियों द्वारा मारे गए हिंदुओं की आत्मा की शांति के लिए सर्वपितृ अमावस्या पर जल से तर्पण किया गया। सर्व प्रथम हिंदू महासभा भवन पर विरोध प्रदर्शन का शुभारंभ करते हुए हिंदू महासभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ जयवीर भारद्वाज ने कहा कि आज ग्वालियर को भारतीय जनता पार्टी की केंद्र की सरकार ने बांग्लादेश जेहादियों के साथ क्रिकेट मैच खिलाने के लिए टीम को बुलाकर ग्वालियर की बलिदान स्थली को कलंकित किया है जो बांग्लादेश के जेहादियों ने हिंदुओं के कत्लेआम कर रहे

हैं उनके साथ ग्वालियर में क्रिकेट मैच कराकर ग्वालियर का गौरव गिराया है। इसके लिए केंद्रीय सरकार एवं बीसीसीआई सार्वजनिक रूप से क्षमा मांगे, बलिदान स्थली को कलंकित होने से बचाएं और मैच को तुरंत रद्द करें। अन्यथा मध्य प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी हिंदुओं के हित की पार्टी के नाम पर सभी सांसद सीटों पर जीती है जो भविष्य में कभी भी ऐसी बहुमत नहीं मिलने के लिए हिंदू महासभा ने संकल्प लिया ।जिला अध्यक्ष लोकेश शर्मा ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के राज्य में हिंदुओं के देवी देवताओं का अपमान गणेश जी का 17 सितंबर को किया गया और उसके साथ-साथ पितरों के तर्पण के लिए भी निर्धारित व्यवस्थाओं पर ताला लगा दिया गया जो अत्यंत अशोभनीय है और उसकी निंदा हिंदू महासभा करती है दोषियों के खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए । अर्चना सिंह चौहान,बंटी गुर्जर ने कहा कि हर कीमत पर मैच को ग्वालियर में नहीं होना चाहिए। ग्वालियर में होने वाले मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमी दहशत में है इसे आयोजकों ने मखौल बना कर रख दिया। सकल हिन्दू समाज से 6 अक्टूबर के मैच का बहिष्कार करें अन्यथा मैच देखने वालों को परिणाम भुगतने होंगे।पूजा कोतवाली में गिरफ्तार हुए लोगों की हिंदू महात्मा नेताओं में मुख्य रूप से डॉक्टर जयवीर भारद्वाज लोकेश शर्मा महावीर पाल , बंटी गुर्जर, अविनाश पांडे ,राहुल रज्जक, गजेंद्र गुर्जर , नीरज परिहार, नीरज प्रजापति,आशीष चौहान, भूपेंद्र नामदेव, प्रदीप नामदेव, दिनेश साहू, मोहन प्रजापति,देवेंद्र नामदेव, श्री अर्चना सिंह चौहान गुड्डन बाथम, ममता प्रजापति, विमलेश बाथम शामिल है

नवरात्रि पर ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को दी शुभकामनाएं

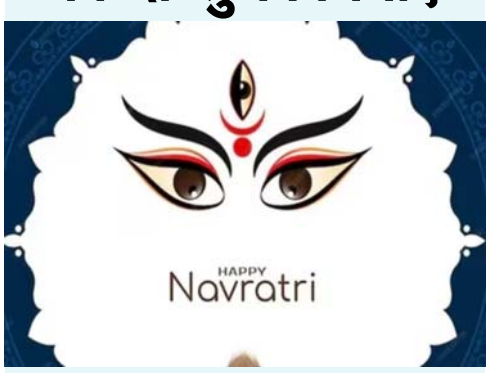

ग्वालियर 2 अक्टूबर 2024। शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने सभी प्रदेशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने शुभकामना संदेश में कहा है कि शारदीय नवरात्रि के पावन पर्व पर मां दुर्गा का आशीर्वाद सम्पूर्ण प्रदेशवासियों पर बना रहे। नवरात्रि के नौ दिनों में देवी मां के पूजन से प्रदेशवासियों को धन, सुख, समृद्धि, सौभाग्य और अच्छे स्वास्थ्य का वरदान मिले।

स्वामी, प्रकाशन, मुद्रक एवं संपादक भरत सिंह चौहान द्वारा वॉइस ऑफ मध्यांचल मीडिया नेटवर्क प्राइवेट लिमिटेड 101 वैष्णोपुरम एबी रोड बिरलानगर ग्वालियर म.प्र. 474004 से मुद्रीत करा कर दीपू इलेक्ट्रॉनिक हनुमान मंदिर के पास भिण्ड रोड गोले का मंदिर जिला ग्वालियर मध्यप्रदेश 474005 से प्रकाशित। भरत सिंह चौहान पी. आर. बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। E-mail : Pushpanjalitoday@gmail.com 0751-4050784, Mob.:8269307478